खबर संक्षेप

ग्रामीण परिवेश के शुभम ने नीट परीक्षा में लहराया परचम

मानपुर। ग्रामीण अंचल के प्रतिभावान विद्यार्थियों ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि यदि दृढ़ संकल्प और कड़ी मेहनत हो, तो कोई भी मुकाम हासिल किया जा सकता है। ग्राम पंचायत अमिलिया (बल्हौड़) के मूल निवासी शुभम साहू ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट-यूजी) में शानदार सफलता अर्जित कर पूरे क्षेत्र का गौरव बढ़ाया है। शुभम ने इस प्रतिष्ठित परीक्षा में 720 अंकों में से 558 अंक प्राप्त किए हैं, जिसके साथ ही उनका प्रतिशतक 98.419 रहा। अखिल भारतीय स्तर पर उन्हें $31,264$वां स्थान प्राप्त हुआ है। शुभम ने अपनी माध्यमिक शिक्षा मानपुर के नवज्योति अकादमी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय से पूरी की है। एक साधारण पृष्ठभूमि से आने वाले शुभम के पिता जयपाल साहू कृषक हैं और माता पुष्पा साहू आशा कार्यकर्ता के रूप में समाज सेवा कर रही हैं। सीमित संसाधनों और ग्रामीण परिवेश के बीच रहकर शुभम ने अपनी लगन से इस राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा को उत्तीर्ण किया है। उनकी इस अभूतपूर्व सफलता से उनके परिवार, विद्यालय प्रबंधन और पूरे ग्राम में हर्षोल्लास का वातावरण है। शुभम की इस गौरवमयी उपलब्धि पर शिक्षकों, परिजनों और सभी शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य और सफल चिकित्सक बनने की मंगलकामना की है।

अविराज ने नीट परीक्षा में पाई 4175वीं रैंक

शहडोल। जिले के बुढ़ार नगर के होनहार युवा अविराज जैन ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) 2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए संपूर्ण क्षेत्र का गौरव बढ़ाया है। स्थानीय प्रेम कलेक्शन के संचालक श्रीमती संगीता जैन एवं मुकेश जैन के सुपुत्र अविराज ने इस प्रतिष्ठित परीक्षा में अपने प्रथम प्रयास में ही सफलता का परचम लहराया है। अविराज ने दसवीं कक्षा तक की शिक्षा स्थानीय डीएवी विद्यालय से प्राप्त की। इसके पश्चात उच्च शिक्षा के लिए उन्होंने बुरहानपुर की माइक्रो विजन अकादमी का चयन किया, जहां उन्हें शिक्षाविद् आनंद चौकसे एवं श्रीमती विजया चौकसे का कुशल मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। अविराज ने पहले बारहवीं की परीक्षा में 92.8 प्रतिशत अंक अर्जित कर विद्यालय में पांचवां स्थान प्राप्त किया और अब नीट परीक्षा में 720 में से 625 अंक लाकर विद्यालय में तीसरा तथा अखिल भारतीय स्तर पर 4175वां स्थान प्राप्त किया है। चिकित्सक बनने की राह पर अग्रसर अविराज की इस अभूतपूर्व उपलब्धि पर संपूर्ण नगरवासियों, जैन समाज के प्रबुद्ध जनों तथा इष्ट मित्रों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

25 वर्षों से सहमति का दंश झेल रहे पेंशनर को राहत

शहडोल। वरिष्ठ नागरिक पेंशनर ऐसोसिएशन के जिला अध्यक्ष आर.एल. तिवारी द्वारा बताया गया है कि म.प्र. एवं छत्तीसगढ के बटवारे के समय 25 वर्षों से सहमति का दंश झेल रहे दोनों राज्यों के पेंशनरों को राहत मिल गई है। श्री तिवारी द्वारा यह भी कहा गया है कि म.प्र. छत्तीसगढ़ राज्य संयुक्त फेडरेशन एवं वरिष्ठ नागरिक पेंशनर ऐसोसिएशन की प्रमुख मांग रही है कि मंहगाई राहत आदेश जारी करने के पूर्व सहमति लिए जाने की प्रक्रिया को समाप्त किया जाए। म.प्र.शासन द्वारा प्रसारित आदेश 17 जुलाई में मनीष रस्तोगी अपर मुख्य सचिव म प्र शासन वित्त विभाग एवं रोहित यादव सचिव छत्तीसगढ शासन वित्त विभाग के संयुक्त हस्ताक्षर से सहमति लिए जाने की प्रक्रिया को समाप्त किया गया है।

अंध विश्वास के चलते वृद्ध को उतारा मौत के घाट

पुलिस ने सुलझाई अंधे हत्याकाण्ड की गुत्थी

सगे भाई ही निकले वृद्ध महिला के हत्यारे

शहडोल। कानून के हाथ कितने लंबे होते हैं, इसका अहसास एक बार फिर शहडोल पुलिस ने अपराधियों को करा दिया है। जिले के थाना जयसिंहनगर के अंतर्गत ग्राम कनाड़ीकला में एक वृद्ध महिला की हत्या के मामले में पुलिस ने अपनी पेशेवर कार्यकुशलता का लोहा मनवाते हुए महज़ अंधे कत्ल का पर्दाफाश कर दिया है। पुलिस अधीक्षक डॉ. संजय कुमार अग्रवाल के निर्देशन में जयसिंहनगर पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए दो सगे भाइयों को सलाखों के पीछे पहुंचा दिया है, जिन्होंने अंधविश्वास के दलदल में धंसकर एक बेकसूर वृद्धा को मौत के घाट उतार दिया था।

नदी की धार में मिला था लहूलुहान शव

बीती 6 जुलाई 2026 को कनाड़ीकला (पतेरा टोला) निवासी फरियादी महेंद्र यादव ने थाने में आकर सूचना दी। उसने बताया कि उसकी मां गेंदा बाई यादव, साप्ताहिक बाजार से घर लौट रही थीं, लेकिन वह घर नहीं पहुंच सकीं। ग्राम कनाड़ीकला के समीप बड़ादेव स्थान के पास कुल्हडिय़ा नदी की धार में उनका लहूलुहान शव तैरता मिला। वृद्धा की गर्दन पर किसी धारदार हथियार से ताबड़तोड़ प्रहार किए गए थे, जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई। इस अमानवीय घटना की खबर फैलते ही पूरे इलाके में दहशत और आक्रोश का माहौल व्याप्त हो गया। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक डॉ. संजय कुमार अग्रवाल ने तत्काल कड़ा रुख अख्तियार किया। उन्होंने अपराधियों को ढूंढ निकालने का अल्टीमेटम देते हुए ब्यौहारी एसडीओपी ऋषभ छारी और जयसिंहनगर थाना प्रभारी निरीक्षक अजय कुमार बैगा के नेतृत्व में एक विशेष रणनीतिक टीम का गठन किया। पुलिस ने बिना वक्त गंवाए भारतीय न्याय संहिता की धारा $103(1)$ के तहत हत्या का मामला दर्ज कर चौतरफा जाल बिछा दिया।

मां की बीमारी का बदला लेने के लिए रची साजिश

इस अंधे कत्ल की गुत्थी को सुलझाना पुलिस के लिए एक बड़ी चुनौती था, क्योंकि मौके पर कोई चश्मदीद गवाह नहीं था, लेकिन जयसिंहनगर पुलिस ने अपनी पारंपरिक मुखबिरी और आधुनिक तकनीकी (साइबर सेल) का ऐसा बेजोड़ समन्वय बिठाया कि संदेह के घेरे में आए दो सगे भाई अनिल यादव और सुनील यादव पुलिस के रडार पर आ गए। जब पुलिसिया अंदाज में दोनों संदेहियों से अलग-अलग और कड़ाई से पूछताछ की गई, तो उनके चेहरे का रंग उड़ गया। खाकी के तीखे सवालों के सामने कातिलों के हौसले पस्त हो गए और उन्होंने अपना गुनाह कबूल कर लिया। पूछताछ में जो सच सामने आया, उसने समाज के इस काले चेहरे को उजागर कर दिया। आरोपियों ने बताया कि वे मृतिका गेंदा बाई पर जादू-टोना करने का अंधविश्वास पालकर बैठे थे। उन्हें यह भ्रम था कि मृतिका द्वारा किए गए कथित टोटके के कारण ही उनकी मां लगातार बीमार रहती थीं। इसी प्रतिशोध और सनक में दोनों भाइयों ने मिलकर एक पूर्व नियोजित और खूनी साजिश रची।

पीछे से किया गर्दन पर वार

साजिश के मुताबिक, 6 जुलाई को बड़ा भाई सुनील यादव कुल्हडिय़ा नदी के पास घने पेड़ों की आड़ में कुल्हाड़ी लेकर पहले से ही घात लगाकर बैठा था। जैसे ही अकेली और बेबस वृद्धा गेंदा बाई उस सुनसान रास्ते से गुजरी, छोटे भाई अनिल यादव ने पीछे से आकर उन पर कुल्हाड़ी से जानलेवा और ताबड़तोड़ वार कर दिए। हमला इतना भयावह था कि महिला ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते हुए आरोपियों की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त मुख्य हथियार (कुल्हाड़ी) और वारदात के दौरान इस्तेमाल किए गए मोबाइल फोन को जब्त कर लिया है। पुलिस ने मौके से परिस्थितिजन्य, मौखिक और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर दोनों सगे भाइयों अनिल यादव उम्र 22 वर्ष और सुनील यादव उम्र 25 वर्ष निवासी ग्राम कनाड़ीखुर्द को गिरफ्तार कर लिया है, जिन्हें माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है।

इनकी रही भूमिका

जयसिंहनगर पुलिस की इस त्वरित और निष्पक्ष कार्रवाई से जहां पीड़ित परिवार को न्याय की उम्मीद जगी है, वहीं ग्रामीणों ने भी राहत की सांस ली है। इस पूरी सफल कार्रवाई में एसडीओपी ब्यौहारी ऋषभ छारी के कुशल मार्गदर्शन में थाना प्रभारी जयसिंहनगर निरीक्षक अजय कुमार बैगा, सहायक उपनिरीक्षक सुरेश अहिरवार, प्रमोद अहिरवार, प्रधान आरक्षक रुस्तम सिंह, आरक्षक नीरज शुक्ला, अंकित यादव, ऋषिकांत मिश्रा, महिला आरक्षक खुशबू लोधी और साइबर सेल की टीम की भूमिका सराहनीय और साहसिक रही है।

ब्यौहारी अस्पताल की बदहाल स्वास्थ्य व्यवस्था पर ज्ञापन देने पहुंचे कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल का आरोप

समय दिया... इंतज़ार कराया... फिर नहीं मिले उपमुख्यमंत्री!

स्वास्थ्य मंत्री की नो मुलाकात पर कांग्रेस का हमला

रेस्ट हाउस बुलाकर घंटों कराया इंतजार, बिना मुलाकात लौटना पड़ा

शहडोल। जिले के ब्यौहारी की बदहाल स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर उपमुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ला से मुलाकात करने पहुंचे कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल को कथित रूप से समय मिलने के बावजूद बिना मुलाकात लौटना पड़ा। इस घटना के बाद कांग्रेस ने सरकार और प्रशासन पर जनता की आवाज़ को अनसुना करने का आरोप लगाते हुए तीखा हमला बोला है। ब्योहारी ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष सतेंद्र त्रिपाठी पिंटू के नेतृत्व में कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल ब्यौहारी सिविल अस्पताल में विशेषज्ञ डॉक्टरों की भारी कमी, रिक्त नर्सिंग पदों और स्वास्थ्य सुविधाओं के अभाव को लेकर ज्ञापन सौंपने पहुंचा था। प्रतिनिधिमंडल का दावा है कि पहले उन्हें गोदवाल तिराहा पर ज्ञापन देने के लिए रोका गया, बाद में प्रशासन ने स्थानीय रेस्ट हाउस में मिलने का समय दिया। कांग्रेस नेताओं के अनुसार वे तय समय पर रेस्ट हाउस पहुंचे और लंबे समय तक इंतजार करते रहे, लेकिन उपमुख्यमंत्री उनसे मिलने नहीं आए। उनका आरोप है कि प्रशासन ने भी मुलाकात न होने का कोई स्पष्ट कारण नहीं बताया।

इस घटनाक्रम पर कांग्रेस ने सवाल उठाते हुए कहा कि यदि जनता की समस्याएं सुननी ही नहीं थीं, तो मिलने का समय देकर इंतजार क्यों कराया गया। ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष सतेंद्र त्रिपाठी पिंटू ने आरोप लगाया कि ब्यौहारी का सिविल अस्पताल लंबे समय से विशेषज्ञ चिकित्सकों और नर्सिंग स्टाफ की कमी से जूझ रहा है, जिससे मरीजों को इलाज के लिए दूसरे शहरों का रुख करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य मंत्री यदि स्वास्थ्य समस्याओं को लेकर आए प्रतिनिधिमंडल से भी मुलाकात नहीं करते, तो सरकार की संवेदनशीलता पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े होते हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि अस्पताल की समस्याओं का जल्द समाधान नहीं किया तो कांग्रेस जनआंदोलन तेज करेगी।

कांग्रेस की प्रमुख मांगें

ब्यौहारी सिविल अस्पताल में विशेषज्ञ चिकित्सकों की तत्काल नियुक्ति हो, रिक्त नर्सिंग एवं अन्य स्वास्थ्य पदों पर शीघ्र भर्ती हो, अस्पताल में आवश्यक संसाधन और स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार हो, कांग्रेस ने कहा कि समय देने के बावजूद प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात क्यों नहीं हुई? क्या स्वास्थ्य मंत्री के पास जनता की स्वास्थ्य समस्याएं सुनने का समय नहीं है, ब्यौहारी अस्पताल में डॉक्टरों और स्टाफ की कमी कब दूर होगी? क्या सरकार जनता के सवालों से बच रही है?

ज्ञापन के दौरान ये रहे मौजूद

प्रतिनिधिमंडल में नगर कांग्रेस अध्यक्ष हरि सिंह, जिला पंचायत सदस्य पुष्पेंद्र पटेल, विधानसभा युवा कांग्रेस अध्यक्ष विक्रम कोल, ब्लॉक युवक कांग्रेस अध्यक्ष आयुष्मान ताम्रकार, पार्षद गीता कोल, जिला सचिव पुष्पेंद्र परोहा, ब्लॉक महासचिव आशीष शुक्ला, सोशल मीडिया प्रभारी अंकित गुप्ता बल्ली, युवा कांग्रेस ब्लॉक महासचिव सूर्य प्रकाश पाठक, सोशल मीडिया अध्यक्ष अभिषेक सिंह, नगर उपाध्यक्ष प्रियदर्शी तिवारी, मंडलम अध्यक्ष विनय द्विवेदी, ब्लॉक महासचिव पप्पू साकेत, अनिल नामदेव सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

इनका कहना है...

ब्यौहारी की जनता डॉक्टर मांग रही है, सरकार बहाने दे रही है। स्वास्थ्य मंत्री यदि जनता की आवाज़ सुनने से बचेंगे, तो कांग्रेस सडक़ से सदन तक जनता की लड़ाई लड़ती रहेगी। अब जनता जवाब चाहती है, सिर्फ़ आश्वासन नहीं।

सतेन्द्र त्रिपाठी पिंटू
ब्लाक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष, ब्योहारी

डीआरएम के निर्देश पर एक्शन में आया प्रशासन

शहडोल। रेलवे खेल मैदानों की उपेक्षा और खिलाडय़िों की समस्याओं को लेकर मान्यता प्राप्त रेल संगठन साउथ ईस्ट सेंट्रल रेलवे मजदूर कांग्रेस की लंबे समय से जारी लड़ाई रंग लाने लगी है। मंडल पीएनएम बैठक (20 नवंबर 2025) के एजेंडा क्रमांक 29 के तहत उठाई गई मांगों पर आखिरकार बिलासपुर रेल मंडल प्रशासन को झुकना पड़ा है। बिलासपुर के मंडल समन्वयक विजय अग्निहोत्री, जोनल कार्यकारी अध्यक्ष व सीआईसी प्रभारी लक्ष्मण राव और अतिरिक्त संयुक्त महामंत्री राजेश खोपारागड़े के आक्रामक नेतृत्व में शहडोल शाखा सचिव बालकृष्ण बंगारी व मनेंद्रगढ़ शाखा सचिव खुर्शीद आलम ने इस मुद्दे को पुरजोर तरीके से उठाया था।

मजदूर कांग्रेस के कड़े रुख को देखते हुए मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) बिलासपुर राकेश रंजन के निर्देश पर हडक़ंप मच गया। वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी डॉ. अंशुमन मिश्रा ने गत 4 मई 2026 को बकायदा एक पत्र (क्रमांक पीएनएम/सर्वे/फुटबॉल ग्राउंड/2026/01/372) जारी कर सर्वे कमेटी का गठन कर दिया। वहीं, वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (आरएसएन) वासू गुप्ता ने भी फ्लड लाइट लगाने के लिए अपनी विभागीय हरी झंडी दे दी है।

प्रशासनिक अमले ने जमीन पर उतरकर काम शुरू कर दिया है। बीती 17 जुलाई को जोनल कार्यकारी अध्यक्ष लक्ष्मण राव, राजेश खोपारागड़े, खुर्शीद आलम सहित सीनियर सेक्शन इंजीनियर (कार्य) साकेत गुप्ता और सीनियर सेक्शन इंजीनियर (विद्युत सामान्य) अनिल कटारे के सर्वे दल ने मनेंद्रगढ़ रेलवे फुटबॉल ग्राउंड का मौका-मुआयना किया। दल ने यहाँ रात में भी खेल संभव बनाने के लिए 06 हाईटेक फ्लड लाइट लगाने की विस्तृत सर्वे रिपोर्ट तैयार कर बिलासपुर मुख्यालय भेज दी है।

इसी आदेश के तहत शहडोल रेलवे फुटबॉल ग्राउंड के कायाकल्प का रास्ता भी साफ हो गया है। गौरतलब है कि शहडोल खेल मैदान में स्टेज, ड्रेस चेंजिंग रूम और बाथरूम जैसी बुनियादी सुविधाओं के लिए मजदूर कांग्रेस ने वर्ष 2022 में ही आवाज उठाई थी, जिसका एस्टीमेट बनकर धूल फांक रहा था। अब रेलवे प्रशासन ने अपनी सुस्ती तोड़ते हुए इस 4 साल पुराने स्टीमेट को रद्द कर नए सिरे से री-सर्वे करने और आधुनिक आवश्यकताओं के अनुसार नया एस्टीमेट तैयार करने का सख्त आदेश जारी किया है। मजदूर कांग्रेस ने साफ कर दिया है कि जब तक मैदानों पर लाइटें जल नहीं जातीं और निर्माण पूरा नहीं हो जाता, तब तक चैन से नहीं बैठेंगे।

मच्छर जनित एवं जलजनित रोगों से बचाव के लिए स्वास्थ्य सलाह

शहडोल। वर्षाकाल के दौरान बढ़ती नमी, अनुकूल तापमान तथा विभिन्न स्थानों पर होने वाले जलभराव के कारण मच्छरों एवं बैक्टीरिया का प्रकोप तेजी से बढ़ जाता है। ऐसे मौसम में थोड़ी-सी लापरवाही मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया, टाइफाइड, डायरिया सहित अन्य मच्छर जनित एवं जलजनित बीमारियों का कारण बन सकती है। स्वास्थ्य विभाग ने नागरिकों से अपने घरों और आसपास स्वच्छता बनाए रखने तथा आवश्यक सावधानियां अपनाने की अपील की है। डेंगू फैलाने वाला एडीज मच्छर साफ और ठहरे हुए पानी में पनपता है। इसलिए खेतों, गड्ढों, पुराने टायरों, कूलरों, गमलों, फ्रिज की ट्रे, पशुओं के नाद तथा अन्य स्थानों पर पानी जमा न होने दें। कूलर, फूलदान एवं अन्य पानी के पात्रों का पानी सप्ताह में कम से कम एक बार अवश्य बदलें। जिन स्थानों से पानी हटाना संभव न हो, वहां मच्छरों के लार्वा को नष्ट करने के लिए खाद्य तेल, केरोसिन अथवा जला हुआ ऑयल डाला जा सकता है। मच्छरों से बचाव के लिए पूरी बांह के कपड़े पहनें, सोते समय मच्छरदानी का उपयोग करें तथा आवश्यकता होने पर कीटनाशकों का छिडक़ाव कराएं।बारिश के मौसम में दूषित पानी एवं अस्वच्छ भोजन के सेवन से पीलिया, टाइफाइड, डायरिया, पेचिश और हैजा जैसी जलजनित बीमारियों का खतरा भी बढ़ जाता है। इसलिए हमेशा शुद्ध एवं उबला हुआ पानी पिएं, भोजन को ढककर रखें, सड़े-गले फल एवं खाद्य पदार्थों का सेवन न करें तथा फलों और सब्जियों को अच्छी तरह धोकर ही उपयोग करें। भोजन करने से पहले और शौच के बाद साबुन से हाथ अवश्य धोएं तथा खुले में शौच करने के बजाय शौचालय का उपयोग करें। स्वास्थ्य विभाग ने सलाह दी है कि यदि किसी व्यक्ति को तेज बुखार, ठंड लगना, सिरदर्द, मांसपेशियों एवं जोड़ों में दर्द, शरीर पर लाल चकत्ते, उल्टी या दस्त जैसे लक्षण दिखाई दें तो स्वयं उपचार (सेल्फ-मेडिकेशन) करने के बजाय तत्काल निकटतम शासकीय स्वास्थ्य केंद्र अथवा चिकित्सक से संपर्क करें। समय पर जांच और उचित उपचार से गंभीर जटिलताओं से बचाव संभव है।

नौगवां हायर सेकेंडरी स्कूल भवन के लोकार्पण पर ने उठाए सवाल

मानपुर। जनपद पंचायत मानपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत नौगवां स्थित शासकीय आदिवासी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के नवीन भवन का 17 जुलाई 2026 को क्षेत्रीय विधायक मीना सिंह द्वारा लोकार्पण किए जाने के बाद कांग्रेस नेत्री रोशनी सिंह ने कार्यक्रम की प्रक्रिया और औचित्य को लेकर सवाल उठाए हैं। रोशनी सिंह का कहना है कि उपलब्ध जानकारी के अनुसार उक्त भवन में करीब डेढ़ वर्ष से विद्यालय का संचालन किया जा रहा है। ऐसे में यह स्पष्ट किया जाना चाहिए कि भवन का निर्माण कार्य कब पूर्ण हुआ, विभाग को भवन कब हस्तांतरित किया गया और विद्यालय का संचालन किस तिथि से शुरू हुआ। उन्होंने कहा कि यदि भवन पहले से विभाग के उपयोग में था, तो इतने समय बाद लोकार्पण कार्यक्रम आयोजित किए जाने का प्रशासनिक औचित्य क्या था—यह जांच का विषय है।रोशनी सिंह ने कहा कि लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान ग्राम पंचायत नौगवां के सरपंच द्वारा मंच से कही गई बातों के बाद इस पूरे मामले में और प्रश्न खड़े हुए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि क्षेत्र में कुछ ऐसे भवनों के दोबारा लोकार्पण की प्रक्रिया अपनाई जा रही है, जिनका पूर्व में किसी स्तर पर लोकार्पण अथवा उद्घाटन हो चुका है। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि यह जांच की जाए कि क्या किसी भवन का पूर्व में शासन स्तर पर या डिजिटल माध्यम से लोकार्पण किया गया था और यदि ऐसा हुआ था, तो उसके बाद पुनः लोकार्पण कार्यक्रम आयोजित करने का आधार क्या था।

प्रोटोकॉल के पालन को लेकर भी सवाल

रोशनी सिंह ने जिला कलेक्टर द्वारा जारी निर्देशों का हवाला देते हुए कहा कि निर्माण कार्यों के शिलान्यास और लोकार्पण से संबंधित जानकारी प्रशासन को उपलब्ध कराकर नियमानुसार तिथि निर्धारित किए जाने तथा संबंधित निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को प्रोटोकॉल के अनुसार आमंत्रित किया जाना चाहिए। उनका आरोप है कि नौगवां हायर सेकेंडरी स्कूल भवन के लोकार्पण कार्यक्रम के आमंत्रण पत्र में क्षेत्र की निर्वाचित जनप्रतिनिधि एवं जनपद पंचायत मानपुर की उपाध्यक्ष श्रीमती पूजा चतुर्वेदी का नाम शामिल नहीं किया गया और उन्हें कार्यक्रम में आमंत्रित भी नहीं किया गया। रोशनी सिंह ने इसे प्रोटोकॉल के पालन से जुड़ा विषय बताते हुए प्रशासन से इसकी जांच की मांग की है।

सरपंचों पर दबाव के आरोप की जांच की मांग

रोशनी सिंह ने आरोप लगाया कि क्षेत्रीय विधायक द्वारा कुछ स्थानों पर सरपंचों और संबंधित विभागों पर कथित रूप से दबाव बनाकर पहले से संचालित भवनों के लोकार्पण कराए जाने की बात सामने आ रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह आरोप जांच का विषय है और इसकी सत्यता संबंधित दस्तावेजों, प्रशासनिक अनुमति एवं संबंधित व्यक्तियों के बयानों के आधार पर ही निर्धारित की जा सकती है। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि नौगवां हायर सेकेंडरी स्कूल भवन के निर्माण पूर्ण होने की तिथि की जांच की जाए। भवन विभाग को कब हस्तांतरित किया गया, इसका रिकॉर्ड सार्वजनिक किया जाए। विद्यालय का संचालन किस तिथि से शुरू हुआ, इसकी जानकारी स्पष्ट की जाए। पूर्व में भवन का कोई लोकार्पण या डिजिटल लोकार्पण हुआ था या नहीं, इसकी जांच की जाए। 17 जुलाई 2026 के लोकार्पण कार्यक्रम की अनुमति एवं प्रक्रिया की जांच की जाए। कार्यक्रम में सरकारी राशि का उपयोग हुआ या नहीं, और यदि हुआ तो कितना, इसकी जानकारी सार्वजनिक की जाए। आमंत्रण पत्र और कार्यक्रम में प्रोटोकॉल के पालन की जांच की जाए। सरपंचों अथवा संबंधित अधिकारियों पर किसी प्रकार का दबाव बनाए जाने के आरोपों की निष्पक्ष जांच की जाए। रोशनी सिंह ने कहा कि सरकारी भवन जनता के पैसे से बनते हैं और उनके निर्माण, हस्तांतरण तथा लोकार्पण की प्रक्रिया पारदर्शी एवं नियमानुसार होनी चाहिए। यदि किसी भवन का पूर्व में लोकार्पण हो चुका है या वह लंबे समय से विभाग के उपयोग में है, तो उसके दोबारा लोकार्पण का औचित्य प्रशासन को स्पष्ट करना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस पूरे मामले में किसी व्यक्ति को दोषी ठहराने के बजाय दस्तावेजों और तथ्यों के आधार पर निष्पक्ष जांच कर सच्चाई जनता के सामने लाई जानी चाहिए।

विशेष लोक अदालत का शहडोल में हुआ सफल आयोजन

1 करोड़ 3 लाख से अधिक की राशि का हुआ सेटलमेंट

शहडोल। मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार शहडोल जिले में चेक अनादरण (एन.आई. एक्ट की धारा 138) के मामलों को आपसी समझौते से सुलझाने के लिए विशेष लोक अदालत का शानदार आयोजन किया गया। माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष काशीनाथ सिंह के कुशल मार्गदर्शन और द्वितीय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश के.पी. सिंह की अध्यक्षता में जिला न्यायालय शहडोल सहित बुढ़ार, ब्यौहारी और जयसिंहनगर सिविल न्यायालयों में यह विधिक अभियान चलाया गया। इस विशेष लोक अदालत को अमलीजामा पहनाने के लिए पूरे जिले में कुल 7 न्यायिक खंडपीठों का गठन किया गया था। इनमें जिला न्यायालय शहडोल में 2, तहसील न्यायालय ब्यौहारी में 2, तहसील न्यायालय बुढ़ार में 2 और तहसील न्यायालय जयसिंहनगर में 1 खंडपीठ ने मुस्तैदी से मामलों की सुनवाई की। विशेष लोक अदालत का औपचारिक शुभारंभ द्वितीय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश के.पी. सिंह द्वारा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यालय में मां सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। इस मौके पर उन्होंने उपस्थित पक्षकारों और अधिवक्ताओं को लोक अदालत के महत्व से रूबरू कराया। न्यायाधीश श्री सिंह ने कहा लोक अदालत एक ऐसा मंच है जहां राजीनामे के माध्यम से जब किसी प्रकरण का पटाक्षेप होता है, तो दोनों ही पक्षों की जीत होती है। आपसी कटुता हमेशा के लिए समाप्त हो जाती है और मामले का ऐसा स्थाई निराकरण होता है जिसकी आगे कहीं अपील भी नहीं होती। इसके साथ ही पक्षकारों को उनके द्वारा जमा किए गए वाद शुल्क (कोर्ट फीस) की वापसी भी हो जाती है। इस विशेष आयोजन में दोनों पक्षों को बिठाकर आपसी समझाइश के जरिए कुल 23 मामलों का मौके पर ही शांतिपूर्ण निपटारा किया गया। इनमें न्यायालयों में पहले से लंबित 21 प्रकरण और मुकदमेबाजी से पूर्व के 2 प्रीलिटिगेशन प्रकरण शामिल रहे। इन सभी मामलों के सफल निराकरण के बाद लोक अदालत द्वारा कुल 1,03,17,419 रुपये (एक करोड़ तीन लाख सत्रह हजार चार सौ उन्नीस रुपये) की भारी-भरकम राशि का अवार्ड पारित किया गया।विधिक सेवा के इस महा-अभियान के दौरान न्यायिक मजिस्ट्रेट सीता शरण यादव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव श्रीमती स्वेता परते तिवारी, जिला विधिक सहायता अधिकारी देवेन्द्र सिंह परस्ते, डिप्टी चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल इमरान खान सहित समस्त लीगल एड डिफेंस काउंसिल्स और न्यायालयीन व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कर्मचारीगण प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। सभी के समन्वित प्रयासों से वर्षों से लटके चेक बाउंस के मुकदमों से पक्षकारों को चंद मिनटों में मुक्ति मिल गई।

बांधवगढ़ में बाघ शावक की मौत का गहराया रहस्य

उमरिया। जिले के बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व से एक बार फिर वन्यजीवों की सुरक्षा को लेकर विचलित करने वाली खबर सामने आई है। धमोखर रेंज में मृत मिली करीब 3 से 4 माह की नन्हीं मादा बाघ शावक की मौत का मामला अब पूरी तरह उलझ गया है। शनिवार को वन्यजीव विशेषज्ञों की मौजूदगी में हुए बेहद विस्तृत पोस्टमार्टम (पीएम) ने इस मौत को सामान्य मानने से साफ इनकार कर दिया है। शावक के सिर की हड्डियों में गंभीर फ्रैक्चर और गले के आसपास मिले गहरे, जानलेवा घावों ने शिकार या आपसी संघर्ष की थ्योरी को लेकर कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।शनिवार को वन्यजीव स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश तोमर (बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व) और डॉ. अभय सेंगर (संजय टाइगर रिजर्व) की संयुक्त टीम ने शावक के शव का गहन परीक्षण किया। प्राथमिक तौर पर सिर में मिले जानलेवा फ्रैक्चर, शरीर पर नाखून और दांतों के गहरे निशानों को दर्ज करते हुए डॉक्टरों ने मौत के असली कारणों का पता लगाने के लिए विसरा (अंगों के नमूने) और अन्य महत्वपूर्ण सैंपल सुरक्षित कर लिए हैं। इन्हें अब उच्च स्तरीय फोरेंसिक जांच के लिए भेजा जाएगा। पोस्टमार्टम की कड़े सुरक्षा घेरे में हुई इस प्रक्रिया के बाद, राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) की सख्त मानक कार्यप्रणाली (एसओपी) के तहत क्षेत्र संचालक डॉ. अनुपम सहाय, एनटीसीए प्रतिनिधि डॉ. ज्ञानेंद्र प्रजापति सहित वन विभाग के आला अफसरों की मौजूदगी में शावक का अंतिम संस्कार कर दिया गया।गौरतलब है कि बीते शुक्रवार को धमोखर रेंज की बीट धमोखर सीमा से महज 500 मीटर की दूरी पर स्थित ग्राम चापर के राजस्व क्षेत्र में इस बेजुबान शावक का शव बरामद हुआ था। रिहायशी इलाके के इतने करीब बाघ शावक की संदिग्ध लाश मिलने से वन महकमे में हडक़ंप मच गया था।

खबर संक्षेप

जिले में बीते 24 घंटे में 4 मिमी वर्षा दर्ज

उमरिया। अधीक्षक भू अभिलेख ने बताया कि बीते 24 घंटे में 4 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। बांधवगढ़ तहसील में 3.6 मिमी, पाली तहसील में 1.8 मिमी, करकेली तहसील में 2.8 मिमी, बिलासपुर तहसील में 20 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। जिले में 1 जून से लेकर 18 जुलाई तक 251.7 मिमी वर्षा दर्ज की गई है जिसमें बांधवगढ़ तहसील में 340.1 मिमी, मानपुर तहसील में 150.3 मिमी, पाली तहसील में 277 मिमी, नौरोजाबाद तहसील 269.2 मिमी, चंदिया तहसील में 197.2 मिमी, करकेली तहसील में 316.5 मिमी, बिलासपुर तहसील में 212.1 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। जबकि गत वर्ष इसी अवधि तक 674.7 मिमी वर्षा दर्ज की गई थी जिसमें बांधवगढ़ तहसील में 614.1 मिमी, मानपुर तहसील में 691.6 मिमी, पाली तहसील में 609.3 मिमी, नौरोजाबाद तहसील 587.6 मिमी, चंदिया तहसील में 798.7 मिमी, करकेली तहसील में 613.7 मिमी, बिलासपुर तहसील में 801.2 मिमी वर्षा शामिल है।

जिला पंचायत सीईओ एवं निगमायुक्त ने औचक निरीक्षण कर लिया जायजा

कटनी। जिला पंचायत सीईओ सुश्री हरसिमरनप्रीत कौर ने सांदीपनि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय झिंझरी और बहोरीबंद पहुंचकर लोकार्पण कार्यक्रम के पूर्व बैठक व्यवस्था, सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रूपरेखा एवं प्रदर्शित की जाने वाली विज्ञान प्रदर्शनी के संबंध में परिसर और कक्षों का औचक निरीक्षण कर जायजा लिया। इस दौरान नगर निगम आयुक्त सुश्री तपस्या परिहार भी मौजूद रहीं। इस दौरान उन्होंने प्राचार्य एवं शिक्षकों से तैयारी एवं आवश्यक व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी ली तथा आवश्यक निर्देश दिए।

बरही में हर्षोल्लास से प्रभु जगन्नाथ की निकाली रथयात्रा

बरही। नगर में हर वर्ष की भांति प्रभु श्री जगन्नाथ भगवान की भव्य रथयात्रा निकाली गई श्रद्धालुओं द्वारा राम लला मंदिर से रथयात्रा प्रारंभ की गई पूरे नगर में ढोल नगाड़ों के साथ झांकी निकाली गई जय जगन्नाथ जय घोष नारों के साथ पूरा नगर भक्तिमय हो गया महिला पुरुष युवाओं ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया जगन्नाथ रथयात्रा में हजारों श्रद्धालुओं की सहभागिता रही इस अवसर पर नगर परिषद बरही पूर्व अध्यक्ष सतीश तिवारी रामलला मंदिर के अध्यक्ष उत्तम शर्मा ब्राम्हण समाज के जिला संगठन मंत्री प्रवीण त्रिवेदी डब्बू, डारेश्वर पाठक जी, डॉ जैनेंद्र द्विवेदी ब्राम्हण समाज के अध्यक्ष रमाकांत मिश्रा अरविंद तिवारी जी, संतोष द्विवेदी रज्जू गुप्ता राम मंदिर के सदस्य रामावतार अग्रवाल मुकेश श्रीवास्तव प्रवीण गुप्ता, सुमित गुप्ता,आदि गणमान्य नागरिकों जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति रही।।

मुख्यमंत्री सलैया फाटक हेलीपैड पर हुआ स्वागत

कटनी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का कटनी जिले के विधानसभा बहोरीबंद क्षेत्र अंतर्गत स्थित स्लीमनाबाद के सलैया फाटक हेलीपैड पर भोपाल से हेलीकॉप्टर द्वारा आगमन हुआ। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के हेलीपैड आगमन पर खजुराहो सांसद विष्णुदत्त शर्मा, विधायक सर्वश्री संजय सत्येन्द्र पाठक, संदीप जायसवाल, प्रणय प्रभात पाण्डेय, धीरेन्द्र बहादुर सिंह, जिला भाजपा अध्यक्ष दीपक टंडन सोनी आदि ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका भव्य एवं आत्मीय स्वागत किया।

विद्यार्थियों को कॉपी, पेन व अन्य सामग्री का किया वितरण

सिलौंडी। सिलौंडी के रिटायर प्राचार्य अपने निधन के बाद जबलपुर मेडिकल कॉलेज को छात्र छात्राओं को देह दान देने स्वर्गीय कमलेश राय के जन्म जयंती के अवसर पर पत्नी श्रीमति मनोरमा राय, पुत्र अमरेश राय, पुत्र वधु श्रीमती शिखा राय ने सिलौंडी के सभी शासकीय स्कूलों में सभी छात्र छात्राओं कॉपी, पेन और अन्य आवश्यक सामग्री वितरण किया है। अमरेश राय ने बताया कि विधायक धीरेंद्र बहादुर सिंह की प्रेरणा से अपने परिजन के जन्मदिन उत्सव के साथ मिलकर मनाए और उनकी सहायता करें के निर्देश से परिजन के साथ पिता की जन्म जयंती स्कूलों में मनाई।

अमरनाथ गया परिवार लौटा तो घर पर माफियाओं का ताला जड़ा मिला

शासकीय शिक्षक और शिक्षिका बने भू-माफिया

उमरिया। जिला मुख्यालय में एक अजीबोगरीब मामला सामने आया है जहां शासकीय शिक्षक पति पत्नी ने दबंग वकील के साथ मिलकर नवयुवक भतीजे के मकान का ही सौदा कर दिया। मामला कुछ इस तरह है कि उमरिया नगर पालिका क्षेत्र अंतर्गत वार्ड नंबर 15 निवासी सौरभ तिवारी ने दिनांक 14 जुलाई को थाना कोतवाली पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई कि वह सपरिवार 1 जुलाई को अमरनाथ यात्रा पर गया हुआ था 13 जुलाई की रात्रि जब वह वापस अपने घर लौटता है जहां घर के एक हिस्से में लगे चैनल गेट पर लगा हुआ ताला बदला हुआ है सुबह उठकर देखा तो उसके चैनल गेट पर एक आशुतोष गुप्ता एडवोकेट नाम का फ्लेक्स चस्पा हुआ था। तभी कुछ समय बाद अंकुर उर्फ आशुतोष गुप्ता वहां पहुंचता है और बताता है यह घर मैने तुम्हारे फूफा रामभूषण तिवारी उनकी पत्नी निशा तिवारी से खरीद लिया है सौरभ उन्हें बताता है घर तो हमारा है खुद को शासकीय शिक्षक पति पत्नी द्वारा ठगे जाने का आभास होने के बाद आशुतोष गुप्ता ने दिनांक 15 जुलाई को मनगढ़ंत शिकायत थाना कोतवाली में कर कुछ वकीलों के साथ पहुंचकर जबरदस्ती पीड़ित पर ही मुकदमा दर्ज करने की मांग करने लगा।

शासकीय शिक्षक पति पत्नी की माफियागिरी

शासकीय शिक्षक राम भूषण तिवारी ग्राम तामननारा एवं पत्नी निशा तिवारी कॉलरी स्कूल उमरिया में पदस्थ हैं आशुतोष गुप्ता के मुताबिक उसने यह मकान रामभूषण और निशा तिवारी से ही क्रय किया है तो अब सवाल यह है कि शासकीय शिक्षक निशा तिवारी और रामभूषण तिवारी ने (शासकीय) नजूल भूमि पर बने मकान का सौदा करके क्या अब माफियागिरी शुरू कर दी है जबकि सौरभ तिवारी की माने तो मकान उनका है ही नहीं उन्हें तो रिश्तेदारी में बुआ होने के कारण घर का उपरी हिस्सा कुछ समय रहने के लिए मांगने पर दिया गया था। अब जरूरत है मामले की विस्तृत जांच प्रशासन कराए और अगर आशुतोष गुप्ता को शासकीय कर्मचारियों ने शासकीय भूमि एवं

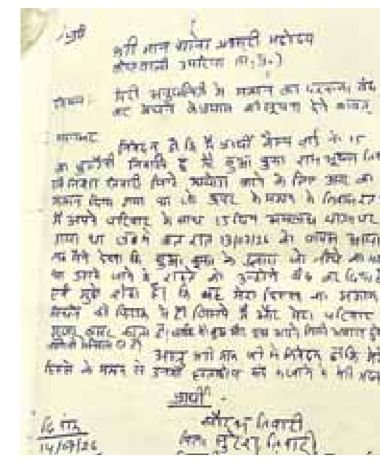

मकान बेची हैं तो इनपर कानूनी और विभागीय कार्यवाही की जाए।

कई चेहरे होंगे बेनकाब

वार्ड नंबर 15 में स्थित इस मकान में माफिया गिरी कर पुश्तैनी मकान को अवैध तरीके से खरीदने का दावा किया जा रहा है सूत्र बताते हैं इसमें कांग्रेस के एक नेता का हाथ है यही नहीं सौरभ तिवारी और उसकी पत्नी की माने तो उसे नेता पुत्र द्वारा धमकाया भी जा रहा है और अब तक कई बार घर भी आया है जिसका खुलासा वो जल्द ही पुलिस अधीक्षक से मिलकर करेंगे अब सवाल यह है कि सत्ता में ना रहते हुए कांग्रेस के नेताओं की यह माफिया गिरी आने वाले नगर पालिका चुनाव में जनता पर क्या असर डालेगी?

मनगढ़ंत झूठी शिकायत और वकालत का दबाव

आवेदक सौरभ तिवारी अपनी वृद्ध मां और पत्नी के साथ कलेक्टर के पास पहुंचे जहां उन्होंने आवेदन किया कि एडवोकेट आशुतोष गुप्ता गलत तरीके से उनके सब परिवार अमरनाथ जाने के बाद उनके फूफा से उसे घर का सौदा करता है और अब कब्जा मांग रहा है जबकि यह मकान उनका पुश्तैनी है सौरभ तिवारी और परिवार ने आवेदन में यह भी कहा है कि एडवोकेट आशुतोष गुप्ता खुद को राम भूषण तिवारी और निशा तिवारी द्वारा ठगे जाने के बाद घर पर कब्जा न मिलने के कारण उन पर झूठे और मनगढ़ंत आरोप लगा रहे हैं यही नहीं सौरभ की माने तो आशुतोष और उनके साथ आने वालों ने उन्हें वकालत की धमकी देते हुए कहा है कि हम तुमको देख लेंगे।

कलेक्टर ने अनुकंपा नियुक्ति के प्रकरणों का निराकरण कर, बांटे नियुक्ति पत्र

उमरिया। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने अनुकंपा नियुक्ति प्रकरणों का त्वरित निराकरण करते हुए पात्र आश्रितों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। उन्होंने कहा कि अनुकंपा नियुक्ति का उद्देश्य दिवंगत शासकीय कर्मचारियों के परिवारों को आर्थिक संबल प्रदान करना है। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ऐसे प्रकरणों का समय-सीमा में निष्पक्ष एवं संवेदनशीलता के साथ निराकरण सुनिश्चित किया जाए। नियुक्ति पत्र प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों ने प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया। इस दौरान उन्होने श्रीमती रिंकी बर्मन पति स्व. संतोश बर्मन तहसील कार्यालय पाली कलेक्टर जिला राजस्व स्थापना भृत्य को कार्यालय तहसील बांधवगढ़ में भृत्य, शैलेन्द्र सिंह गोंड स्व. सूरसेन सिंह गोंड सहायक शिक्षक शा.मा.बमेरा विकासखंड मानपुर को तहसील कार्यालय बिलासपुर में सहायक वर्ग -3, श्रीमती शांति पनिका पति स्व0 परदेशी पनिका प्राथमिक शिक्षक शा.प्रा. सेहराटोला को तहसील कार्यालय पाली में सहायक वर्ग -3 तथा भैयाराम चक्रवाह स्व. अंगद प्रसाद चक्रवाह प्रधानाध्यापक शा.मा.शा. बकेली जन जातीय कार्य विभाग को सहायक वर्ग-3 में अनुकंपा नियुक्ति पत्र की नियुक्ति का पत्र सौंपा ।

भाजपा नेताओं ने उप मुख्यमंत्री का किया स्वागत

शहडोल। बीते दिनों मध्यप्रदेश शासन के उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला के शहडोल प्रवास के दौरान सर्किट हाउस, शहडोल में सौजन्य भेंट कर पुष्पगुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।इस अवसर पर क्षेत्र की विभिन्न जनसमस्याओं एवं विकास संबंधी आवश्यकताओं से अवगत कराते हुए पत्र भी सौंपा गया। पत्र के माध्यम से क्षेत्रवासियों के त्वरित निराकरण एवं आवश्यक विकास को प्राथमिकता के आधार पर संपादित कराए जाने का आग्रह किया गया। उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला ने समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुनते हुए संबंधित विषयों पर आवश्यक

कार्यवाही हेतु आश्वस्त किया। इस दौरान उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं ने प्रदेश सरकार द्वारा जनकल्याण एवं विकास के लिए किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए उनके प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से उपस्थित रहे पूर्व जिला उपाध्यक्ष एवं भाजपा जिला कार्य समिति सदस्य अरुण गौतम, पूर्व मंडल अध्यक्ष भाजपा मंडल जयसिंहनगर एवं भाजपा जिला कार्य समिति सदस्य रामनारायण पांडेय, राजेश द्विवेदी, पूर्व मंडल अध्यक्ष भाजपा मंडल करकी, विजय शुक्ला सहित अन्य मौजूद रहे।

विशेष लोक अदालत संपन्न

उमरिया। लोक अदातलत से समाधान स्वीकर के उद्देश्य की अवधारणा को साकार रूप प्रदान करने के लिये आयोजित होने वाली धारा 138 एन0आई0 एक्ट अंतर्गत विशेष लोक अदालत का आयोजन प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रियदर्शन शर्मा, जी के निर्देशन में किया गया । नेशनल लोक अदालत में प्रकरणों के निराकरण हेतु 4 खण्डपीठों का गठन किया गया था। जिसमें से 2 जिला न्यायालय उमरिया में 1 खण्डपीठ तहसील न्यायालय बीरसिंहपुर पाली एवं 1 खण्डपीठ तहसील न्यायालय मानपुर में गठित की गई। इस अवसर पर नजमा बेगम, प्रथम जिला एवं सत्र न्यायाधीश, मोहन डावर, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण आशीष धुर्वे, प्रथम व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड, सरफराज खान, द्वितीय व्यवहार न्यायाधीष कनिष्ठ खण्ड, पल्लवी सिंह, चतुर्थ व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड,सुभांषु सोनी, प्रशिक्षु न्यायाधीश, जिविसेप्रा के कर्मचारीगण, पैनल अधिवक्ता/सुलहकर्ता अधिवक्ता उपस्थित रहे। जिला न्यायालय उमरिया के अंतर्गत न्यायालय में लंबित धारा 138 अंतर्गत लंबित प्रकरणों में से कुल -58- प्रकरण लोक अदालत में रेफर किये गये थे, जिसमे से -15- प्रकरणों में कुल मिलाकर -3939498 रूपये का एवार्ड पारित किया गया। आयोजित धारा 138 एन0आई0 एक्ट अंतर्गत विशेष लोक अदालत सफल रही और न्यायालयों में लंबित प्रकरणों में कमी आई।

राधा-कृष्ण मंदिर से निकली भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा, जयघोष से गूंजा सकोला गांव

बदरा/जमुना। सकोला गांव में हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी भगवान जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा श्रद्धा और उत्साह के साथ निकाली गई। रथयात्रा का शुभारंभ राधा-कृष्ण मंदिर से हुआ, जहां से भगवान जगन्नाथ का रथ गांव के प्रमुख मार्गों और आसपास के क्षेत्रों में भ्रमण के लिए निकला। रथयात्रा में बड़ी संख्या में ग्रामीण, महिलाएं, पुरुष और बच्चे शामिल हुए। पूरे मार्ग में श्रद्धालु जय जगन्नाथ, राधेश्याम और सीताराम के जयघोष के साथ भजन-कीर्तन करते हुए चल रहे थे। धार्मिक गीतों और भक्तिमय वातावरण से पूरा क्षेत्र श्रद्धा के रंग में रंग गया। देर शाम तक चली रथयात्रा के बाद भगवान का रथ पुनः राधा-कृष्ण मंदिर पहुंचा, जहां भजन-कीर्तन, आरती एवं सामूहिक पूजा-अर्चना का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के समापन पर श्रद्धालुओं ने राधेश्याम-सीताराम नाम का सामूहिक जाप किया तथा सभी भक्तों के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। पूरे आयोजन में ग्रामीणों का उत्साह और धार्मिक आस्था देखने लायक रही।

हरद साइडिंग और बंद खदानों से अवैध आपूर्ति के आरोप

चोरी के कोयले से धधक रहे जमुना के ईंट भट्टे?

कोयला चोरी, प्रदूषण और नियमों के उल्लंघन पर उठे सवाल; संयुक्त जांच की मांग तेज

बदरा/जमुना। जिले के भालूमाड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत जमुना इलाके में संचालित कुछ ईंट भट्टे इन दिनों गंभीर आरोपों के घेरे में हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि इन भट्टों में ईंट पकाने के लिए हरद रेलवे साइडिंग तथा बंद पड़ी कोयला खदानों से चोरी कर लाया गया कोयला इस्तेमाल किया जा रहा है। यदि इन आरोपों में सच्चाई पाई जाती है तो यह न केवल सरकारी संपत्ति की चोरी का मामला होगा, बल्कि पर्यावरण संरक्षण एवं खनन संबंधी कानूनों के उल्लंघन का भी गंभीर विषय होगा। स्थानीय नागरिकों के अनुसार क्षेत्र में लंबे समय से संगठित तरीके से कोयला चोरी का अवैध कारोबार संचालित हो रहा है। आरोप है कि बंद पड़ी खदानों और रेलवे क्षेत्र से कोयला एकत्र कर दलालों के माध्यम से ईंट भट्टों तक पहुंचाया जाता है। इसके लिए कथित तौर पर बाइक, साइकिल और अन्य छोटे वाहनों का उपयोग किया जाता है। प्रतिदिन बड़ी मात्रा में कोयला भट्टों तक पहुंचने की चर्चा क्षेत्र में आम है, लेकिन इस पर प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से जिम्मेदार एजेंसियों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं।

आबादी के बीच संचालित हो रहे भट्टे, प्रदूषण से लोग परेशान

जमुना बस्ती और आसपास के आबादी वाले क्षेत्रों के समीप संचालित कुछ ईंट भट्टों को लेकर भी लोगों में नाराजगी है। भट्टों से निकलने वाला धुआं, राख और प्रदूषण आसपास रहने वाले लोगों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि भट्टे पर्यावरणीय मानकों और निर्धारित दूरी के नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं तो संबंधित विभागों को तत्काल निरीक्षण कर कार्रवाई करनी चाहिए।

कोयला चोरी पर क्यों नहीं लग रही रोक?

क्षेत्र में यह भी सवाल उठ रहे हैं कि हरद रेलवे साइडिंग और बंद खदानों से लगातार कोयला चोरी होने के बावजूद अब तक प्रभावी रोक क्यों नहीं लग सकी। लोगों का कहना है कि नियमित निगरानी, गश्त और संयुक्त कार्रवाई से इस अवैध गतिविधि पर अंकुश लगाया जा सकता है। स्थानीय नागरिकों का मानना है कि पुलिस, रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ), जीआरपी और संबंधित सुरक्षा एजेंसियों की जिम्मेदारी सरकारी संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

ईंट भट्टों के संचालन के लिए ये नियम हैं अनिवार्य

नियमों के अनुसार किसी भी ईंट भट्टे के संचालन के लिए मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण मंडल से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) प्राप्त करना आवश्यक है। इसके अलावा राजस्व विभाग एवं स्थानीय निकाय से भूमि उपयोग संबंधी अनुमति लेना अनिवार्य होता है। ईंट भट्टा आबादी, विद्यालय, अस्पताल और अन्य सार्वजनिक स्थलों से निर्धारित दूरी पर स्थापित होना चाहिए। पर्यावरण संरक्षण अधिनियम तथा वायु (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम के सभी प्रावधानों का पालन करना भी आवश्यक है। इसके साथ ही चोरी के कोयले या किसी प्रतिबंधित ईंधन का उपयोग पूरी तरह अवैध माना जाता है। श्रम कानूनों का पालन, मजदूरों की सुरक्षा तथा बाल श्रम निषेध के नियमों का पालन भी अनिवार्य है। इन नियमों के उल्लंघन पर संबंधित विभाग द्वारा जुर्माना, संचालन पर रोक और अन्य वैधानिक कार्रवाई की जा सकती है।

संयुक्त जांच की उठी मांग

स्थानीय नागरिकों ने जिला प्रशासन, खनिज विभाग, प्रदूषण नियंत्रण मंडल, रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ), जीआरपी और पुलिस से संयुक्त जांच अभियान चलाने की मांग की है। लोगों का कहना है कि यह जांच केवल कथित कोयला चोरी तक सीमित न रहे, बल्कि यह भी देखा जाए कि क्षेत्र में संचालित सभी ईंट भट्टे वैधानिक अनुमति, पर्यावरणीय मानकों और अन्य कानूनी प्रावधानों का पालन कर रहे हैं या नहीं। यदि जांच में कोयला चोरी, अवैध ईंधन के उपयोग अथवा नियमों के उल्लंघन की पुष्टि होती है तो दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए। इससे सरकारी संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित होगी, पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा तथा वैध रूप से कारोबार करने वाले संचालकों के हितों की भी रक्षा हो सकेगी।

59 लाख के विकास कार्यों की रखी गई आधारशिला

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

नगर पालिक निगम कटनी द्वारा शहर के सभी वार्डों में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार कर संतुलित एवं समग्र विकास सुनिश्चित करने के उद्देश्य से निरंतर विकास कार्य कराए जा रहे हैं। राम मनोहर लोहिया वार्ड क्रमांक-5 में लगभग 59.41 लाख रुपये की लागत से विभिन्न जनहितैषी विकास कार्यों का भूमिपूजन संपन्न हुआ। महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी सहित जनप्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति में वार्ड के वरिष्ठ नागरिकों द्वारा भूमिपूजन कराया गया।

विकास कार्यों में राममनोहर लोहिया वार्ड अंतर्गत लगभग 46.41 लाख रुपये की लागत से शिशिर गुप्ता के मकान से हनुमान मंदिर तक सी.सी. नाली निर्माण कार्य, रचना नगर में सी.सी. नाली निर्माण कार्य किया जाएगा वहीं अहमद नगर में लगभग 13 लाख रुपये की लागत से आंगनवाड़ी भवन निर्माण कार्य का शुभारंभ भी किया गया। इन विकास कार्यों के पूर्ण होने से क्षेत्र की जल निकासी व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी, वहीं आंगनवाड़ी भवन बनने से बच्चों एवं महिलाओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महापौर श्रीमती सूरी ने कहा कि नगर निगम का उद्देश्य केवल निर्माण कार्य कराना नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक के जीवन स्तर में सकारात्मक परिवर्तन लाना है। उन्होंने कहा कि शहर का प्रत्येक वार्ड विकास की मुख्यधारा से जुड़े, इसके लिए निगम लगातार कार्य कर रहा है। उन्होंने अपने भावुक शब्दों में कहा, “पद आज है, कल नहीं रहेगा, लेकिन जनता की सेवा का मेरा संकल्प सदैव अटूट रहेगा। मैं राजनीति में किसी पद के लिए नहीं, बल्कि जनसेवा के उद्देश्य से आई हूं। शुरुआत से ही जनता की सेविका के रूप में कार्य करती आई हूं और आगे भी बिना किसी भेदभाव के पूरे समर्पण, ईमानदारी और संवेदनशीलता के साथ शहरवासियों की सेवा करती रहूंगी।

अब स्नातक एवं स्नातकोत्तर की कक्षाओं में विद्यार्थी 31 जुलाई तक ले सकेंगे प्रवेश

कटनी। उच्च शिक्षा विभाग, मध्यप्रदेश ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए द्वितीय चरण की कॉलेज लेवल काउंसलिंग (सीएलसी) की अंतिम तिथि बढ़ा दी है। अब विद्यार्थी प्रदेश के शासकीय, अनुदान प्राप्त अशासकीय और अशासकीय महाविद्यालयों में स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं में 31 जुलाई तक प्रवेश ले सकेंगे। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार द्वितीय चरण की सीएलसी की अंतिम तिथि 15 जुलाई 2026 थी, जिसे बढ़ाकर अब 31 जुलाई 2026 कर दिया गया है।

जिले में शासकीय महाविद्यालय में लॉ पाठ्यक्रम शुरू करने की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

जिले में शासकीय महाविद्यालय में 3 वर्षीय एलएलबी एवं 5 वर्षीय बी.ए.-एलएलबी पाठ्यक्रम प्रारंभ किए जाने की मांग को लेकर अधिवक्ता यश खरे ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। मुख्यमंत्री के कटनी आगमन पर उन्होंने पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत भी किया। यश खरे ने मुख्यमंत्री को बताया कि जिले में शासकीय स्तर पर विधि शिक्षा उपलब्ध नहीं होने के कारण विद्यार्थियों को निजी महाविद्यालयों अथवा अन्य शहरों में पढ़ाई के लिए जाना पड़ता है।

निजी संस्थानों की अत्यधिक फीस सामान्य एवं मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए बड़ा आर्थिक बोझ बन जाती है, जिसके कारण अनेक मेधावी छात्र-छात्राएं आर्थिक अभाव में विधि शिक्षा प्राप्त नहीं कर पाते।उन्होंने मांग की कि कटनी के शासकीय महाविद्यालय में एलएलबी (3 वर्षीय) एवं बी.ए.-एलएलबी (5 वर्षीय) पाठ्यक्रम शीघ्र प्रारंभ किए जाएं, ताकि जिले के विद्यार्थियों को कम खर्च में गुणवत्तापूर्ण विधि शिक्षा अपने ही जिले में उपलब्ध हो सके।अधिवक्ता यश खरे ने कहा कि शासकीय लॉ कॉलेज खुलने से हजारों विद्यार्थियों को लाभ मिलेगा और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों को भी वकील बनने का अवसर प्राप्त होगा।

खबर संक्षेप

एंबुलेंस को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

ब्यौहारी। सिविल हॉस्पिटल व्यवहारी में एंबुलेंस सुविधाओं की कमी को देखते हुए एक नई एंबुलेंस को हरी झंडी दिखाकर सीधी संसदीय क्षेत्र के सांसद डॉ राजेश मिश्रा, विधायक शरद कोल, डॉ जी एस परिहार क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य सेवाओं द्वारा रवाना किया गया, इसके बाद क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य सेवाओं ने अस्पताल की विभिन्न एवं विभागों का निरीक्षण किया जहां व्यवस्थाएं संतोषजनक मिलीं इस दौरान जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ राजेश मिश्रा सांसद प्रतिनिधि डॉक्टर देवेंद्र त्रिपाठी, सीबीएमओ डॉक्टर निशांत सिंह परिहार अस्पताल स्टाफ एवं क्षेत्रीय नागरिक गण उपस्थित रहे।

मशीनरी दुकान से 80 हजार की सामग्री पार

कटनी। कुठला थाना अंतर्गत एक मशीनरी स्टोर में बीती रात अज्ञात चोरों ने चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोर दुकान से कीमती मशीनरी पार्ट्स, सीसीटीवी कैमरे का DVR और वाई-फाई मॉडम राउटर सहित करीब 80 हजार रुपये का सामान पार कर ले गए। पूरी वारदात दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है, जिसमें एक चोर का चेहरा साफ नजर आ रहा है। पुलिस के अनुसार, बंगला लाइन माधवनगर निवासी राहुल जगवानी 37 वर्ष की पन्ना मोड़ पर मशीनरी दुकान है। बीते माह अज्ञात चोरों ने दुकान को निशाना बनाया।चोरों ने दुकान में घुसकर वहां रखे मशीनरी पार्ट्स चोरी किए और पहचान छुपाने के मकसद से वहां लगा सीसीटीवी कैमरे का डीवीआर तथा वाई-फाई मॉडम राउटर भी उखाड़ ले गए। प्रार्थी के अनुसार चोरी गए कुल मशरूका की कीमत लगभग 80,000 रुपये है। दुकान के अन्य कैमरों और आसपास के फुटेज की जांच करने पर पता चला कि वारदात को अंजाम देने वाले चोरों में से एक का चेहरा सीसीटीवी फुटेज में स्पष्ट रूप से आ गया है। इसके आधार पर पुलिस आरोपी की शिनाख्त करने में जुटी है। पुलिस ने मामला दर्ज कर अज्ञात आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज के सुराग के आधार पर जल्द ही चोरों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

वर्चुअली ऑनलाइन प्रशिक्षण 20 से 22 जुलाई तक

कटनी। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के निर्देशानुसार ओ.एस.आर. विषय पर पोर्टल पर डेटा प्रविष्टि एवं मॉनिटरिंग प्रक्रिया को सुदृढ़ बनाने समस्त जनपद पंचायतों की ग्राम पंचायतों के सचिव एवं ग्राम रोजगार सहायक का ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम चरणबद्ध ढंग से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 20 से 22 जुलाई तक 3 बजे आयोजित किया गया है। जिला पंचायत सीईओ सुश्री हरसिमरनप्रीत कौर द्वारा जारी निर्देशों के मुताबिक 20 जुलाई को जनपद पंचायत कटनी एवं रीठी, 21 जुलाई को बहोरीबंद एवं बड़वारा तथा 22 जुलाई को ढीमरखेड़ा एवं विजयराघवगढ़ के ग्राम पंचायत सचिव एवं ग्राम रोजगार सहायकों को जनपद पंचायत वार वर्चुअली ऑनलाइन प्रशिक्षित किया जाएगा। सुश्री कौर ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में नियत समय एवं स्थान पर लैपटॉप सहित ग्राम पंचायत सचिव एवं ग्राम रोजगार सहायकों को उपस्थित कराने हेतु समस्त जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को निर्देशित किया है।

जिले में अब तक 204.6 मिमी औसत वर्षा दर्ज

कटनी। जिले में 1 जून से 17 जुलाई तक कुल 204.6 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। पिछले आलोच्य अवधि के दौरान जिले में 585.8 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई। इस अवधि के दौरान स्लीमनाबाद तहसील में रिकार्ड 762.8 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई थी। जबकि इस वर्ष जिले में इस अवधि के दौरान सबसे अधिक औसत वर्षा तहसील स्लीमनाबाद में दर्ज की गई है, जहाँ अब तक 379.4 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गयी है।

रेलवे फुटबॉल ग्राउंड शहडोल और मनेंद्रगढ़ में लगेंगी फ्लड लाइट, मजदूर कांग्रेस की मांग पर सर्वे दल ने तैयार की रिपोर्ट

शहडोल। बिलासपुर:रेलवे खेल मैदानों की सूरत बदलने और खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक बड़ी सफलता मिली है। मान्यता प्राप्त रेल संगठन साउथ ईस्ट सेंट्रल रेलवे मजदूर कांग्रेस की पुरजोर मांग पर बिलासपुर रेल मंडल ने शहडोल और मनेंद्रगढ़ रेलवे फुटबॉल ग्राउंड के कायाकल्प की कवायद तेज कर दी है। दोनों खेल मैदानों में बुनियादी सुविधाओं के उन्नयन के साथ-साथ फ्लड लाइट लगाने के लिए सर्वे का काम शुरू हो चुका है।

पीएनएम बैठक में उठा था मुद्दा यह पूरा मामला नवंबर 2025 में आयोजित मंडल पीएनएम (स्थायी वार्ता तंत्र) बैठक के एजेंडा क्रमांक 29 का है। इस बैठक में मजदूर कांग्रेस बिलासपुर के मंडल समन्वयक विजय अग्निहोत्री, जोनल कार्यकारी अध्यक्ष व सीआईसी प्रभारी लक्ष्मण राव, और अतिरिक्त संयुक्त महामंत्री राजेश खोपारागड़े के नेतृत्व में शहडोल शाखा सचिव बालकृष्ण बंगारी तथा मनेंद्रगढ़ शाखा सचिव खुर्शीद आलम ने रेलवे फुटबॉल ग्राउंड्स की बदहाली का मुद्दा उठाते हुए यहाँ फ्लड लाइट लगाने की मांग प्रमुखता से उठाई थी। डीआरएम के निर्देश पर गठित हुई सर्वे कमेटी मजदूर कांग्रेस की इस जायज मांग पर संज्ञान लेते हुए मंडल रेल प्रबंधक (DRM) बिलासपुर राकेश रंजन ने त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। उनके निर्देश पर वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी बिलासपुर डॉ.अंशुमन मिश्रा ने कार्मिक विभाग के पत्र क्रमांक पीएनएम/सर्वे/फुटबॉल ग्राउंड/ के तहत एक विशेष सर्वे कमेटी का गठन किया। इसके साथ ही, वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (आरएसएन) बिलासपुर वासू गुप्ता ने भी फ्लड लाइट लगाने हेतु अपनी विभागीय सहमति प्रदान करते हुए प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश जारी किए। मनेंद्रगढ़ में 6 फ्लड लाइट लगाने की रिपोर्ट तैयार इसी कड़ी में बीती 17 जुलाई को संयुक्त सर्वे दल ने मनेंद्रगढ़ रेलवे फुटबॉल ग्राउंड का निरीक्षण किया। इस सर्वे दल में: लक्ष्मण राव (जोनल कार्यकारी अध्यक्ष) राजेश खोपारागड़े (अतिरिक्त संयुक्त महामंत्री) खुर्शीद आलम (शाखा सचिव, मनेंद्रगढ़) साकेत गुप्ता (सीनियर सेक्शन

इंजीनियर, कार्य) अनिल कटारे (सीनियर सेक्शन इंजीनियर, विद्युत सामान्य) शामिल थे। टीम ने ग्राउंड का बारीकी से मुआयना करने के बाद 06 फ्लड लाइटें लगाने की सर्वे रिपोर्ट तैयार कर मंडल रेल प्रशासन बिलासपुर को सौंप दी है। शहडोल ग्राउंड का भी होगा पुनर्मूल्यांकन (री-सर्वे) जारी आदेश के तहत मनेंद्रगढ़ के साथ-साथ शहडोल रेलवे फुटबॉल ग्राउंड का भी सर्वे किया जा रहा है। वर्ष 2022 में मजदूर कांग्रेस की मांग पर शहडोल खेल मैदान में स्टेज, ड्रेस चेंजिंग रूम और बाथरूम बनाने के लिए एक एस्टीमेट (प्राकलन) तैयार किया गया था। अब इस नए आदेश के तहत उस 4 साल पुराने एस्टीमेट का पुनः सर्वे (री-सर्वे) कर नया एस्टीमेट बनाने का निर्देश दिया गया है, ताकि वर्तमान लागत के अनुसार यहाँ जल्द से जल्द निर्माण कार्य शुरू कराया जा सके। रेलवे प्रशासन के इस कदम से स्थानीय खिलाड़ियों और रेल कर्मचारियों में हर्ष का माहौल है, और उम्मीद जताई जा रही है कि जल्द ही दोनों खेल मैदानों में रात के समय भी खिलाड़ी अभ्यास और मैच खेल सकेंगे।

श्रद्धा और उत्साह के साथ आज वापस अपने धाम लौटेंगे भगवान जगन्नाथ नगर भ्रमण के बाद श्रीराम जानकी मंदिर में होगी अगवानी

बुढार। नगर में चल रहे धार्मिक उत्सव के बीच, तीन दिनों के विश्राम के बाद आज रविवार को भगवान जगन्नाथ स्वामी की भव्य रथयात्रा वापस अपने मूल स्थान यानी नगर के ऐतिहासिक श्रीराम जानकी मंदिर पहुंचेगी। इस पावन अवसर को लेकर श्रद्धालुओं में भारी उत्साह देखा जा रहा है।

शाम 5 बजे नायक निवास से शुरू होगी वापसी यात्रा

श्रीराम जानकी मंदिर के पूज्य महंत अर्जुन दास जी महाराज के सानिध्य में यह धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हो रहा है। आज शाम 5 बजे नायक निवास पर वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच विधि-विधान से पूजा-अर्चना की जाएगी। इसके उपरांत भगवान जगन्नाथ स्वामी, भाई बलभद्र (बलदाऊ) और बहन सुभद्रा सुसज्जित रथ पर विराजमान होकर वापस नगर भ्रमण के लिए निकलेंगे।

इन मार्गों से होकर गुजरी थी रथयात्रा

इससे पूर्व, भगवान की रथयात्रा श्रीराम जानकी मंदिर से गाजे-बाजे के साथ प्रारंभ हुई थी। नगर के प्रमुख मार्गों जैसे: टाकीज मार्ग से प्रारंभ होकर लखेरन टोला, जैन मंदिर रोड रेलवे मार्केट होते हुए वापस श्रीराम जानकी मंदिर पहुंचेगी।

रथयात्रा अरविंद नायक के निवास से नायक परिवार द्वारा भगवान जगन्नाथ स्वामी, माता सुभद्रा एवं भगवान बलभद्र का वैदिक रीति-रिवाज से पूजन-अर्चन कर उन्हें तीन रात्रियों के विश्राम के लिए विराजमान कराया गया था।

भक्ति और आस्था का संगम

तीन दिनों तक नायक परिवार के निवास पर विश्राम करने के बाद आज भगवान पुनः रथ पर सवार होकर नगर के मुख्य मार्गों से गुजरते हुए श्रीराम जानकी मंदिर लौटेंगे।

डेढ़ माह बाद भी आगजनी के आरोपी का सुराग नहीं लगा पाई पुलिस, एसपी के पास पहुँचा मामला

बुढ़ार। जिले के धनपुरी थाना क्षेत्र अंतर्गत ईमामबाड़ा के पास स्थित साड़ी गोदाम में हुईं आगजनी के आरोपी का अब तक थाना पुलिस सुराग नही लगा पाई है। जिसके बाद आहत होकर पीड़ति मोहम्मद अरशद के पुत्र ने गत दिनों आरोपी की शिनाख्ती व उसकी गिरफ़्तारी की मांग को लेकर पुलिस अधीक्षक से मुलाक़ात कर अपनी व्यथा सुनाई। साथ ही घटना से जुड़े प्रमाण भी उन्हें सौंपे। जिस पर नवागत पुलिस अधीक्षक द्वारा पीड़ति को आश्वस्त किया गया कि इस मामले की सूक्ष्मता के साथ जांच कराकर दोषी की शीघ्र ही पहचान कर उसे

गिरफ्तार किया जाएगा। विदित हो कि बीते माह 1-2 जून की दरमियानी रात्रि धनपुरी थाना क्षेत्र अंतर्गत इमामबाड़ा से माईकल चौक मार्ग के बीच स्थित मोहम्मद अरशद के नवनिर्मित साड़ी गोदाम में किसी अज्ञात आरोपी द्वारा आग लगा दी गईं थी। जिससे वहाँ रखी हुईं लगभग 8 से 10 लाख रुपए की साड़ी जलकर राख़ हो गईं थी। साथ ही आग की भयावहता के कारण नवनिर्मित भवन की छत समेत सारा भवन भी जर्जर हो गया था। इस आगजनी की घटना में पीड़ति को करीब 20 लाख रुपए से अधिक का आर्थिक नुक्सान उठाना पड़ा है। जिससे वह आर्थिक रूप से बेहद कमजोर हो चुका है।

सीसी टीवी में दिखा नकाबपोश संदेही

घटना के बाद पीड़ति परिवार द्वारा अपनी दुकान के पीछे वाली गली समेत आसपास लगे कई सीसी टीवी कैमरे के फुटेज देखें गए, जिसमे भीषण गर्मी के समय एक संदेही मुँह में कपड़ा ढाके व चादर ओढ़े हुए घटना स्थल के पास दो अलग अलग सीसी टीवी कैमरे में दिखाई दिया। उक्त संदेही एक नही बल्कि कई सीसी टीवी फुटेज में

दिखाई दे रहा है। जिसमे वह मुँह पर कपड़ा बांधे और चादर ओढ़े हुए नजर आ रहा है। सभी फुटेज में वह लगातार हाथ में मोबाइल लेकर चलाते हुए नजर आ रहा है। पुलिस को भी पीड़ति परिवार द्वारा उक्त सीसी टीवी फुटेज सौपे गए है। पुलिस द्वारा उक्त रात्रि में एक्टिव मोबाइल की डिटेल जानने के लिए सायबर सेल शहडोल की सहायता से इसकी डिटेल भी मांगवाई गईं लेकिन उसके बाद आगे आरोपी की पहचान के लिए गंभीरता नही दिखाई। जिससे अभी तक आरोपी की पहचान नही हो सकी है। जबकि कुछ संदेहियों के नाम भी पीड़ति के पुत्र द्वारा पुलिस को बताए गए थे लेकिन उनसे शख़्ती के साथ पूछताछ न कर रस्म अदायगी कर कर्तव्यों से इतिश्री कर ली गई।

बीस दिन बाद अज्ञात पर मामला दर्ज

कोयलांचल के इस चर्चित आगजनी की घटना के सीसी टीवी सामने आने के बाद जब यह प्रमाणित हो गया कि उक्त आगजनी की घटना को सुनियोजित तरीके से अंजाम दिया गया है। साथ ही नकाबपोश संदेही वारदात के समय घटना स्थल से चंद कदम दूर एक सीसी टीवी फुटेज में भागता हुआ नजर आ रहा है,तब कहीं जाकर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया। लेकिन इसके बाद आज डेढ़ माह बाद भी उक्त सीसी टीवी फुटेज और उस रात्रि एक्टिव मोबाइल के आधार पर आरोपी की शिनाख्त करने की कोई ज़हमत नही उठाई। अब नवागत पुलिस अधीक्षक से मिले आश्वासन के बाद पीड़ति को ऐसा लग रहा है कि शीघ्र ही आरोपी की पहचान कर उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

विंध्य क्षेत्र के खेल प्रतिभाओं को मंच देने हेतु शासकीय महाविद्यालय ब्यौहारी में इंडोर स्पोर्ट्स हॉल की मांग को लेकर उपमुख्यमंत्री को सौंपा गया ज्ञापन

ब्यौहारी। विंध्य क्षेत्र की शिक्षा और खेल प्रतिभाओं के केंद्र पंडित राम किशोर शुक्ल स्मृति शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, ब्यौहारी, द्वारा एक ऐतिहासिक पहल की गई। है महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. आर.के. तिवारी * के नेतृत्व में मध्यप्रदेश शासन के उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल , क्षेत्रीय विधायक शरद कोल को महाविद्यालय परिवार ने ज्ञापन सौंपकर 120X80 फिट के इंडोर टीन शेड हॉल/मिनी स्टेडियम की मांग की। ज्ञापन के मुख्य बिंदु 1. ्यौहारी क्षेत्र की प्रतिभाः सत्र 2025-26 में इस महाविद्यालय के 52 छात्र-छात्राओं ने राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेकर जिले और क्षेत्र का नाम रोशन किया एवं मेडल प्राप्त किए। 2. आवश्यकताः कबड्डी, खो-खो, मार्शल आर्ट, बैडमिंटन जैसे इंडोर खेलों के लिए कोई उचित व्यवस्था न होने से खिलाड़ियों को भीषण गर्मी, बारिश और सर्दी में अभ्यास करने में कठिनाई होती है। 3. 5000

युवाओं को लाभः यदि CSR मद के अंतर्गत जिला कलेक्टर महोदय शहडोल के माध्यम से यह हॉल बन जाता है तो महाविद्यालय के साथ-साथ ब्यौहारी एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्र के लगभग 5000 युवाओं को खेल का सुनहरा मंच मिलेगा। विंध्य का खेल हब बनेगा ब्यौहारीः यह इंडोर हॉल बनने से ब्यौहारी क्षेत्र विंध्य में खेल प्रतिभाओं का एक नया केंद्र बनकर उभरेगा।

ज्ञापन सौंपने के दौरान उपस्थित रहे

प्राचार्य प्रो. आर.के. तिवारी, डॉ. सुनील सिंह, डॉ. संजय गुप्ता, डॉ. विजय प्रताप सिंह, क्रीड़ा अधिकारी श्री उपेंद्र सिंह, सुधांशु सिंह, शशांक माली सहित महाविद्यालय के उत्साही छात्र-छात्राओं की उपस्थिति ने इस मांग को और मजबूती प्रदान की। सभी ने एक स्वर में कहा कि खेलेंगे तो बढ़ेंगे के संकल्प को साकार करने के लिए इंडोर हॉल अति आवश्यक है।

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकसित ब्योहारी रेलवे स्टेशन राष्ट्र को समर्पित

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने किया वर्चुअल लोकार्पण, क्षेत्रवासियों को मिली आधुनिक यात्री सुविधाओं की सौगात

ब्यौहारी-। अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत पुनर्विकसित ब्योहारी रेलवे स्टेशन का आज माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने जालंधर (पंजाब) से आयोजित राष्ट्रीय कार्यक्रम के माध्यम से वर्चुअल लोकार्पण किया। इस अवसर पर ब्योहारी स्टेशन पर भव्य समारोह आयोजित किया गया, जिसमें जनप्रतिनिधियों, रेलवे अधिकारियों, स्थानीय नागरिकों एवं बड़ी संख्या में रेल यात्रियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।समारोह के मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश शासन के उपमुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए ₹स्पीड और स्केल₹ के मंत्र के अनुरूप देशभर में अभूतपूर्व गति से विकास कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि ब्योहारी रेलवे स्टेशन का आधुनिक स्वरूप विंध्य क्षेत्र के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जिससे यात्रियों को बेहतर सुविधाएं मिलने के साथ-साथ क्षेत्र के सामाजिक एवं आर्थिक विकास को भी नई गति मिलेगी।सीधी के सांसद डॉ. राजेश मिश्र ने कहा कि सिंगरौली–कटनी रेलखंड के दोहरीकरण से इस क्षेत्र में रेल संचालन और अधिक सुदृढ़ होगा तथा भविष्य में नई ट्रेनों के संचालन की संभावनाएं भी बढ़ेंगी। उन्होंने इसे विंध्य क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि बताया। ब्योहारी विधायक श्री जुगलाल कोल ने भी स्टेशन के पुनर्विकास के लिए रेल मंत्रालय एवं रेलवे प्रशासन का आभार व्यक्त किया।समारोह के प्रारंभ में मंडल रेल प्रबंधक श्री कमल कुमार तलरेजा एवं वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक डॉ. मधुर वर्मा ने अतिथियों का स्वागत किया। अपने स्वागत उद्बोधन में मंडल रेल प्रबंधक ने ब्योहारी स्टेशन पर विकसित आधुनिक यात्री सुविधाओं तथा जबलपुर मंडल की उपलब्धियों की जानकारी दी।कार्यक्रम के दौरान स्थानीय विद्यालयों के विद्यार्थियों ने स्वागत गीत एवं देशभक्ति पर आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर वातावरण को राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत कर दिया। रेलवे द्वारा आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता विद्यार्थियों को अतिथियों ने प्रमाण-पत्र एवं पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया।लोकार्पण समारोह के दौरान प्रधानमंत्री के राष्ट्रीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण स्टेशन परिसर में स्थापित विशाल एलईडी स्क्रीन पर किया गया, जिसे उपस्थित नागरिकों ने उत्साहपूर्वक देखा। स्थानीय लोगों ने पुनर्विकसित ब्योहारी स्टेशन की आधुनिक एवं आकर्षक सुविधाओं की सराहना करते हुए इसे क्षेत्र के विकास का नया प्रतीक बताया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल, सांसद डॉ. राजेश मिश्र, विधायक श्री जुगलाल कोल, मंडल रेल प्रबंधक श्री कमल कुमार तलरेजा, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक डॉ. मधुर वर्मा, वरिष्ठ मंडल अभियंता श्री राहुल जयपुरियार, वरिष्ठ मंडल सुरक्षा अधिकारी श्री मुन्नवर खान, सहायक वाणिज्य प्रबंधक श्री गुन्नार सिंह, एपीओ श्री सचिपति नंदन, अन्य रेल अधिकारी, जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, स्कूली छात्र-छात्राएं तथा बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी एवं रेल यात्री उपस्थित रहे।

जय-जय जगन्नाथ के उद्घोष के साथ निकली भगवान की भव्य रथयात्रा

हरिभूमि न्यूज ⏭ उमरियापान

सामूहिक वैश्य समाज के तत्वावधान में उमरियापान में भगवान श्री जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा श्रद्धा और उल्लास के साथ निकाली गई। पूरे नगर में ₹जय-जय जगन्नाथ₹ और ₹जगन्नाथ के भात को, जगत पसारे हाथ₹ के जयघोष गूंजते रहे। रथयात्रा से पूर्व मचखण्डा मोहल्ला स्थित जगन्नाथ मंदिर में भगवान श्री जगन्नाथ, बड़े भाई बलभद्र एवं बहन सुभद्रा का विधि-विधान से पूजन-अर्चन किया गया। श्रद्धालुओं ने क्षेत्र की सुख, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। पूजन के उपरांत भगवान का रथ मंदिर से रवाना हुआ, जो नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए बड़ी माई मंदिर, हनुमान मंदिर होकर डोली मोहल्ला स्थित जगदीश स्वामी मंदिर पहुंचा। जगदीश स्वामी मंदिर में ट्रस्ट के सदस्यों ने भगवान की अगवानी कर विशेष पूजन एवं महाआरती की। इसके बाद श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। रथयात्रा में भगवान जगन्नाथ, बलभद्र एवं सुभद्रा की आकर्षक झांकी के साथ भगवान भोलेनाथ-पार्वती और हनुमान जी की मनमोहक झांकियां भी श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहीं। यात्रा में बड़वारा विधायक धीरेंद्र बहादुर सिंह, समाजसेवी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। वहीं युवा वर्ग डीजे की भक्तिमय धुनों पर नृत्य करते हुए पूरे उत्साह के साथ रथयात्रा में शामिल रहा।

रामकृष्ण परमहंस वार्ड में 12.49 लाख से जन सुविधाओं को मिला नया आयाम

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

नगर पालिक निगम कटनी द्वारा शहर के सभी वार्डों में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार एवं नागरिकों को बेहतर आवागमन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से निरंतर विकास कार्य कराए जा रहे हैं। रामकृष्ण परमहंस वार्ड क्रमांक 34 के मंगल नगर स्थित मुस्लिम बस्ती में लगभग 12.49 लाख रुपये की लागत से निर्मित होने वाली सी.सी. रोड का भूमिपूजन महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी, क्षेत्रीय पार्षद श्रीमती शकुंतला सोनी एवं अन्य जनप्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति में वार्ड की वरिष्ठ महिला के करकमलों से संपन्न कराया गया।भूमिपूजन अवसर पर महापौर श्रीमती सूरी ने कहा कि नगर निगम का संकल्प है कि शहर का कोई भी क्षेत्र विकास से वंचित न रहे। निगम नागरिकों की आवश्यकताओं के अनुरूप प्रत्येक वार्ड में सड़क, नाली, पेयजल, प्रकाश एवं अन्य आधारभूत सुविधाओं का विस्तार कर रहा है। उन्होंने कहा कि विकास कार्य केवल निर्माण तक सीमित नहीं हैं, बल्कि नागरिकों के जीवन को अधिक सुविधाजनक, सुरक्षित और बेहतर बनाने का माध्यम हैं। सभी स्वीकृत कार्य निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराए जाएंगे। क्षेत्रीय पार्षद श्रीमती शकुंतला सोनी ने कहा कि मुस्लिम बस्ती के रहवासियों की यह लंबे समय से महत्वपूर्ण मांग थी। सी.सी. रोड बनने से क्षेत्र में आवागमन सुगम होगा, जलभराव की समस्या में कमी आएगी तथा स्थानीय नागरिकों को स्थायी राहत मिलेगी।

150 मीटर दूर पंजाब नेशनल बैंक का अलार्म रात 2 बजे से सुबह तक गूंजता रहा

कोतवाली की चौखट पर बजता रहा खतरे का सायरन, चिर निंद्रा में सुरक्षा तंत्र

न बैंक प्रबंधन हुआ सक्रिय और न ही सुरक्षा एजेंसी

चौकीदारी, पुलिस गश्त और बैंक सुरक्षा व्यवस्था पर उठे गंभीर सवाल

अनूपपुर की शुक्रवार रात ने सुरक्षा व्यवस्था की कई परतें उधेड़ दीं। कोतवाली थाना से महज 150 मीटर दूर स्थित पंजाब नेशनल बैंक का सुरक्षा हूटर रात करीब 2 बजे से सुबह तक लगातार बजता रहा, लेकिन जिम्मेदार तंत्र की नींद नहीं टूटी। स्थानीय नागरिक पूरी रात आशंका और भय के बीच बैंक के बाहर निगरानी करते रहे। यह घटना केवल तकनीकी खराबी का मामला नहीं, बल्कि आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली, पुलिस गश्त और बैंक सुरक्षा व्यवस्था की गंभीर पड़ताल की मांग करती है।

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर

किसी भी शहर की सुरक्षा व्यवस्था का वास्तविक परीक्षण सामान्य दिनों में नहीं, बल्कि आपातकालीन परिस्थितियों में होता है। यदि शहर के सबसे संवेदनशील क्षेत्र में स्थित एक राष्ट्रीयकृत बैंक का सुरक्षा अलार्म पूरी रात बजता रहे और घंटों तक कोई जिम्मेदार अधिकारी मौके पर न पहुंचे, तो यह केवल एक तकनीकी खामी नहीं बल्कि संस्थागत लापरवाही का संकेत माना जाएगा। इससे भी अधिक गंभीर तथ्य यह है कि बैंक कोतवाली थाना से महज 150 मीटर की दूरी पर स्थित है। ऐसे में यदि सुरक्षा अलार्म के बावजूद तत्काल प्रतिक्रिया नहीं मिलती, तो स्वाभाविक रूप से रात्रिकालीन गश्त और सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठेंगे। इस घटना ने आम नागरिकों को यह सोचने पर मजबूर कर दिया कि यदि वास्तव में कोई अपराध घटित हो जाता, तो क्या तब भी प्रतिक्रिया इतनी ही धीमी रहती? प्रशासन और बैंक प्रबंधन दोनों के लिए यह आत्ममंथन का विषय है।

सुरक्षा अलार्म बजा, लेकिन जिम्मेदार तंत्र मौन रहा

बैंक का सुरक्षा हूटर किसी सजावटी उपकरण का हिस्सा नहीं, बल्कि संभावित खतरे की सूचना देने वाली आपातकालीन व्यवस्था है। यदि वह घंटों तक लगातार बजता रहे और उसके बाद भी संबंधित अधिकारी, सुरक्षा एजेंसी या बैंक प्रबंधन सक्रिय न हो, तो यह सुरक्षा प्रोटोकॉल की गंभीर विफलता मानी जाएगी। ऐसी घटनाएं अपराधियों का मनोबल बढ़ा सकती हैं और आम नागरिकों का विश्वास कमजोर करती हैं। यदि यह तकनीकी खराबी थी, तब भी उसका तत्काल समाधान होना चाहिए था ताकि जनता में अनावश्यक भय और भ्रम की स्थिति उत्पन्न न हो।

जब नागरिक बने चौकीदार, तब व्यवस्था पर उठे सवाल

रातभर स्थानीय नागरिक स्वयं घरों से निकलकर बैंक परिसर के आसपास निगरानी करते रहे। यह संवेदनशीलता नागरिक जिम्मेदारी का परिचायक अवश्य है, लेकिन यह स्थिति किसी भी व्यवस्था के लिए चिंता का विषय भी है। सुरक्षा का दायित्व आम लोगों पर नहीं, बल्कि संस्थागत तंत्र पर होता है। यदि लोग स्वयं चौकीदारी करने को विवश हों, तो यह संकेत है कि कहीं न कहीं भरोसे की कड़ी कमजोर पड़ रही है। कानून व्यवस्था का उद्देश्य नागरिकों को सुरक्षा का विश्वास देना है, न कि उन्हें स्वयं सुरक्षा व्यवस्था संभालने के लिए मजबूर करना।

जवाबदेही तय होगी तभी लौटेगा विश्वास

यह घटना केवल हूटर बजने तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। जिला प्रशासन, पुलिस विभाग, बैंक प्रबंधन और संबंधित सुरक्षा एजेंसी को पूरे घटनाक्रम की वस्तुनिष्ठ जांच करनी चाहिए। यह स्पष्ट होना चाहिए कि अलार्म क्यों बजा, सूचना किसे मिली, प्रतिक्रिया में देरी क्यों हुई और भविष्य में ऐसी स्थिति दोबारा न हो, इसके लिए क्या ठोस व्यवस्था बनाई जाएगी। सुरक्षा व्यवस्था का भरोसा केवल संसाधनों से नहीं, बल्कि समय पर कार्रवाई और जवाबदेही से बनता है। यदि इस मामले में जिम्मेदारी तय नहीं होती, तो यह घटना भविष्य के लिए एक खतरनाक उदाहरण बन सकती है।

जंगल में ड्राइवरों को बंधक बनाकर हाइवा ले जाने का आरोप

मामला दर्ज न होने पर एसपी से शिकायत

ट्रांसपोर्टर ने लगाया अपहरण, धमकी और वाहन कब्जाने का आरोप

फाइनेंस कंपनी ने बताया वैधानिक रिकवरी, एसपी ने दिए जांच के आदेश

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। जिले में दो हाइवा चालकों को कथित रूप से बंधक बनाकर वाहन ले जाने का मामला सामने आया है। घटना के बाद थाना स्तर पर अपराध दर्ज नहीं होने का आरोप लगाते हुए ट्रांसपोर्टर ने पुलिस अधीक्षक अनूपपुर से शिकायत की है। वहीं दूसरी ओर संबंधित फाइनेंस कंपनी ने सभी आरोपों से इनकार करते हुए इसे बकाया ऋण की वैधानिक रिकवरी की कार्रवाई बताया है। विरोधाभासी दावों के बीच पुलिस अधीक्षक ने पूरे मामले की जांच के आदेश दिए हैं। पुलिस अधीक्षक को दिए आवेदन में ग्राम पाटन, थाना जैतहरी निवासी ट्रांसपोर्टर दिग्विजय सिंह ने बताया कि उनके दो हाइवा वाहन जैतहरी स्थित मोजर बेयर पावर प्लांट में राखड़ परिवहन कार्य में लगे थे। आवेदन के अनुसार 4 जुलाई 2026 की तड़के लगभग 4 बजे हरद ओसीएम से राखड़ खाली कर लौटते समय भालूमाड़ा साइडिंग जंगल के पास काले रंग की एक फोर व्हीलर में सवार 6 से 10 अज्ञात लोगों ने दोनों वाहनों को रोक लिया। आरोप है कि उन्होंने दोनों चालकों के साथ गाली-गलौज की, जान से मारने की धमकी दी, मोबाइल फोन और वाहन की चाबियां छीन लीं तथा जबरन अपने वाहन में बैठाकर मनेंद्रगढ़ की ओर ले गए। बाद में चालकों को चिरमिरी क्षेत्र में छोड़ दिया गया, जबकि दोनों हाइवा अपने साथ ले गए। शिकायतकर्ता के मुताबिक सुबह जीपीएस लोकेशन देखने पर दोनों वाहन अपने निर्धारित मार्ग के बजाय राजनगर क्षेत्र में दिखाई दिए। ड्राइवरों से संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन मोबाइल बंद या नेटवर्क से बाहर मिला। बाद में चालकों ने मनेंद्रगढ़ पहुंचकर किसी अन्य फोन से संपर्क किया और पूरी घटना की जानकारी दी। दिग्विजय सिंह का आरोप है कि घटना की सूचना तत्काल थाना भालूमाड़ा को दी गई, लेकिन पुलिस ने अपराध दर्ज नहीं किया। इसके बाद उन्होंने पुलिस अधीक्षक को आवेदन देकर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ अपहरण, लूट, वाहन चोरी एवं अन्य संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर दोनों वाहनों की बरामदगी की मांग की। इधर, चोला मंडलम फाइनेंस कंपनी के प्रतिनिधि अमित त्रिपाठी ने थाना भालूमाड़ा में दिए लिखित जवाब में कहा है कि दोनों वाहन लंबे समय से ऋण की किस्तें बकाया होने के कारण कंपनी के वैधानिक अधिकार के तहत कब्जे में लिए गए हैं। कंपनी ने अपहरण, लूट या अवैध कब्जे के आरोपों को निराधार बताते हुए इसे नियमित रिकवरी प्रक्रिया का हिस्सा बताया है। दोनों पक्षों के अलग-अलग दावों और उपलब्ध दस्तावेजों को देखते हुए पुलिस अधीक्षक अनूपपुर ने पूरे मामले की जांच के आदेश जारी कर दिए हैं। जांच के बाद ही यह स्पष्ट होगा कि मामला आपराधिक घटना का है या फाइनेंस कंपनी की वैधानिक रिकवरी कार्रवाई का।

सरपंच-सचिव पर मनमानी का आरोप, तकनीकी मानकों की अनदेखी

नाली में बिछा दी पेयजल पाइप लाइन, ग्रामीणों में आक्रोश

उच्चस्तरीय जांच और कार्रवाई की मांग

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। जनपद पंचायत अनूपपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत बदरा में पेयजल पाइपलाइन विस्तार कार्य में कथित अनियमितताओं का मामला सामने आया है। आरोप है कि स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए बिछाई जा रही पाइपलाइन को निर्धारित तकनीकी मानकों का पालन करने के बजाय सीधे गंदे पानी की नाली के भीतर डाल दिया गया। हैरानी की बात यह है कि यह कार्य जनपद पंचायत कार्यालय और पंचायत भवन से महज 10 मीटर की दूरी पर किया जा रहा है, जहां से प्रतिदिन जिम्मेदार अधिकारी और कर्मचारी गुजरते हैं, लेकिन किसी ने भी इस पर आपत्ति नहीं जताई। ग्रामीणों का कहना है कि पाइपलाइन को नाली के भीतर बिछाना न केवल सरकारी निर्माण मानकों का उल्लंघन है, बल्कि भविष्य में लोगों के स्वास्थ्य के लिए भी बड़ा खतरा बन सकता है। उनका कहना है कि यदि किसी कारणवश पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होती है तो नाली का दूषित पानी पेयजल में मिल सकता है,

जिससे संक्रामक बीमारियां फैलने की आशंका रहेगी। ग्रामीणों का आरोप है कि सरकारी धन से संचालित इस योजना में गुणवत्ता से समझौता कर लाखों रुपये की राशि का दुरुपयोग किया जा रहा है।

विरोध करने वालों पर दबाव बनाने का आरोप

ग्रामीणों ने बताया कि जब उन्होंने इस कार्य का विरोध करते हुए नियमानुसार पाइपलाइन बिछाने की मांग की तो उनकी शिकायतों को गंभीरता से नहीं लिया गया। कुछ ग्रामीणों ने नाम सार्वजनिक नहीं करने की शर्त पर आरोप लगाया कि विरोध करने वालों पर सरपंच और सचिव द्वारा राजनीतिक प्रभाव का हवाला देकर दबाव बनाया गया तथा उन्हें डराने-धमकाने का प्रयास भी किया गया।

जांच और कार्रवाई की मांग

मामले को लेकर ग्रामीणों में भारी नाराजगी है। उन्होंने कलेक्टर, मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) जिला पंचायत, अनुविभागीय अधिकारी (एसडीएम) एवं संबंधित विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से पूरे निर्माण कार्य की तकनीकी और वित्तीय जांच कराने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि जांच में निर्माण कार्य में अनियमितता या वित्तीय गड़बड़ी सामने आती है तो दोषी सरपंच, सचिव और संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध सख्त वैधानिक एवं दंडात्मक कार्रवाई की जाए।

चेक बाउंस के 29 प्रकरणों का समझौते से निपटारा

विशेष लोक अदालत में 77.16 लाख रुपये का अवार्ड पारित

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार शनिवार को जिला न्यायालय अनूपपुर में विशेष लोक अदालत का सफल आयोजन किया गया। यह आयोजन प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की अध्यक्ष श्रीमती माया विश्वलाल तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव रवेंद्र सोनी के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। विशेष लोक अदालत के लिए जिला मुख्यालय पर दो, कोतमा तहसील में दो तथा राजेंद्रग्राम में एक सहित कुल पांच खंडपीठों का गठन किया गया। लोक अदालत में परक्राम्य लिखत अधिनियम, 1881 की धारा 138 (चेक अनादरण) से संबंधित प्रकरणों की सुनवाई कर आपसी सहमति के आधार पर उनका निराकरण कराया गया।

लोक अदालत में प्री-लिटिगेशन के 6 तथा न्यायालय में लंबित 23 प्रकरणों सहित कुल 29 मामलों का सौहार्दपूर्ण समझौते के माध्यम से निपटारा किया गया। इन मामलों में 77 लाख 16 हजार 171 रुपये का अवार्ड पारित किया गया। दोनों पक्षों ने स्वेच्छा से समझौता कर विवादों का त्वरित, सरल और कम खर्चीला समाधान प्राप्त किया। इस अवसर पर विशेष लोक अदालत के संयोजक नरेंद्र पटेल (जिला न्यायाधीश), पीठासीन अधिकारी श्रीकृष्ण डागलिया (जिला न्यायाधीश), सुश्री सुधा पाण्डेय (न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी) सहित जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अधिकारी-कर्मचारी एवं अधिवक्ता उपस्थित रहे। लोक अदालत के माध्यम से न्यायालयों में लंबित मामलों के शीघ्र और सौहार्दपूर्ण निराकरण की दिशा में यह आयोजन प्रभावी साबित हुआ।

कलेक्टर ने अधिकारियों के बीच किया कार्य विभाजन, नए आदेश जारी

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी हर्षल पंचोली ने जिले के प्रशासनिक कार्यों के सुचारु संचालन और विभागीय जिम्मेदारियों के प्रभावी निर्वहन के लिए अधिकारियों के मध्य कार्य विभाजन के नए आदेश जारी किए हैं। आदेश के तहत कलेक्टर, अपर कलेक्टर, जिला पंचायत सीईओ तथा सभी अनुविभागीय अधिकारियों (एसडीएम) को विभिन्न प्रशासनिक, राजस्व, विकास एवं विधिक दायित्व सौंपे गए हैं। कलेक्टर हर्षल पंचोली राजस्व संहिता के महत्वपूर्ण प्रकरणों, भूमि विक्रय अनुमति, अपील-पुनरीक्षण, कानून-व्यवस्था, राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम,

आवश्यक वस्तु अधिनियम, शस्त्र एवं विस्फोटक अधिनियम से जुड़े मामलों के साथ जिला निर्वाचन अधिकारी, जिला आपूर्ति, खनिज, आबकारी, कोषालय, स्वास्थ्य समिति, रेडक्रॉस, सीएसआर तथा अन्य प्रमुख शाखाओं का दायित्व संभालेंगे।

अपर कलेक्टर (विकास) एवं जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी अर्चना कुमारी को विकास, पंचायत, योजना, शिक्षा, जनजातीय कार्य, ई-गवर्नेंस, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, कृषि, पशुपालन, महिला एवं बाल विकास, सामाजिक न्याय, कौशल विकास, उद्योग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, श्रम, आजीविका मिशन सहित अनेक विभागों के प्रशासनिक एवं वित्तीय दायित्व सौंपे गए हैं। अपर कलेक्टर बलवीर रमन को राजस्व अपीलों के प्रकरण, कानून-व्यवस्था से संबंधित मजिस्ट्रियल ड्यूटी, विशेष विवाह अधिनियम, कार्यालय स्थापना, शस्त्र अनुज्ञप्ति, भू-अर्जन, राहत, राजस्व, सीएम हेल्पलाइन, जनसुनवाई, पेंशन, निरीक्षण, नजूल, निर्वाचन सहित कलेक्टर कार्यालय की कई महत्वपूर्ण शाखाओं का प्रभार दिया गया है। कलेक्टर की अनुपस्थिति में वे आवश्यक कार्यालयीन कार्यों का भी संचालन करेंगे। जारी आदेश के अनुसार पुष्पराजगढ़ एसडीएम वसीम अहमद भट्ट, जैतहरी एसडीएम कमलेश पुरी, कोतमा एसडीएम टेशूराम नाग तथा अनूपपुर एसडीएम प्राशी अग्रवाल अपने-अपने अनुभागों में राजस्व, दण्डाधिकारी, भू-अर्जन, लोक परिसर बेदखली, पब्लिक ट्रस्ट, कानून-व्यवस्था, विकास कार्यों की निगरानी, शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन, विभागीय समन्वय तथा विभिन्न अधिनियमों के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करेंगे। इसके अलावा तहसीलदार भू-प्रबंधन शाखा अनूपपुर प्रदीप कुमार मोगरे को प्रतिबंधित राजस्व अभिलेखों की नकल जारी करने की स्वीकृति, लोक सूचना अधिकारी तथा तहसीलदार जैतहरी के डीडीओ (आहरण एवं संवितरण अधिकारी) का दायित्व सौंपा गया है। नए कार्य विभाजन आदेश का उद्देश्य जिले में प्रशासनिक कार्यों को अधिक प्रभावी, जवाबदेह एवं सुव्यवस्थित बनाना है, ताकि विभागीय कार्यों का समयबद्ध और पारदर्शी ढंग से संचालन सुनिश्चित किया जा सके।

नर्मदा उद्गम ट्रस्ट के सोने-चांदी के आभूषण सुरक्षित, कलेक्टर के निर्देश पर हुआ भौतिक सत्यापन

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। कलेक्टर हर्षल पंचोली के निर्देशन में श्री नर्मदा उद्गम ट्रस्ट, अमरकंटक के सोने-चांदी के आभूषणों (गहने-जेवर) का भौतिक सत्यापन निर्धारित प्रक्रिया और पूर्ण पारदर्शिता के साथ संपन्न कराया गया। जांच दल ने सूचीवार मिलान के बाद सभी आभूषण सुरक्षित, पूर्ण एवं यथावत पाए जाने की पुष्टि की। कलेक्टर के निर्देश पर अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) पुष्पराजगढ़ वसीम अहमद भट्ट की अध्यक्षता में जांच दल का गठन किया गया। दल ने अमरकंटक थाना परिसर में सुरक्षित रखे गए ट्रस्ट के सोने-चांदी के आभूषणों का विस्तृत भौतिक सत्यापन किया। इस दौरान उपलब्ध सूची के अनुसार प्रत्येक आभूषण का सावधानीपूर्वक परीक्षण और मिलान किया गया। जांच के उपरांत दल ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि सूची में दर्ज सभी सोने-चांदी के आभूषण सुरक्षित, पूर्ण तथा अभिलेखों के अनुरूप पाए गए। सत्यापन की पूरी प्रक्रिया शासन द्वारा निर्धारित मानकों और नियमों का पालन करते हुए संपन्न की गई। इस दौरान मुख्य नगर परिषद अधिकारी, नगर परिषद अमरकंटक, थाना प्रभारी अमरकंटक तथा श्री नर्मदा मंदिर ट्रस्ट के अधिकृत पुजारी राजेश द्विवेदी भी उपस्थित रहे। प्रशासन ने इस कार्रवाई को ट्रस्ट की संपत्तियों के सुरक्षित संरक्षण एवं पारदर्शी प्रबंधन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

बैठक में नवांकुर संस्थाओं के कार्यों की समीक्षा

एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत किया पौधारोपण

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद जिला कार्यालय अनूपपुर में शनिवार को शहडोल संभाग के संभाग समन्वयक भीम सिंह की उपस्थिति में अनूपपुर विकासखंड की नवांकुर संस्थाओं एवं परामर्शदाताओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला समन्वयक उमेश कुमार पाण्डेय, नवांकुर संस्थाओं के प्रतिनिधि तथा परामर्शदाता मौजूद रहे। बैठक में नवांकुर संस्थाओं द्वारा संचालित सामाजिक एवं जनहितकारी गतिविधियों की विस्तार से समीक्षा की गई। परामर्शदाताओं द्वारा नए स्वयंसेवकों के पंजीयन, नवीन प्रवेश तथा विभिन्न कार्यक्रमों की प्रगति पर चर्चा करते हुए आगामी गतिविधियों को अधिक प्रभावी एवं जनसहभागिता के साथ संचालित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही समाजहित से जुड़े कार्यक्रमों को गांव-गांव तक पहुंचाने और अधिक लोगों को स्वेच्छा से जोड़ने पर भी जोर दिया गया। बैठक के उपरांत स्वेच्छिकता पर्व के अवसर पर नगर विकास प्रस्फुटन समिति अनूपपुर के सहयोग से एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत पौधारोपण किया गया। इस दौरान पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए सभी उपस्थितजनों ने अधिक से अधिक पौधे लगाने, उनकी नियमित देखभाल करने तथा हरित वातावरण के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में पौधारोपण को पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ मातृ सम्मान का प्रतीक बताते हुए जनभागीदारी बढ़ाने का आहवान भी किया गया।

जेइइ में 99.21 पर्सेंटाइल, आईआईटी जोधपुर में चयन

हर्री के शिवम सिंह राठौर ने बढ़ाया अनूपपुर का मान

इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में मिला प्रवेश

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। जिले के लिए गर्व की बात है कि ग्राम हर्री निवासी शिवम सिंह राठौर ने संयुक्त प्रवेश परीक्षा में 99.21 पर्सेंटाइल प्राप्त कर ऑल इंडिया रैंक 2803 हासिल की है। इस शानदार प्रदर्शन के आधार पर उनका चयन आईआईटी जोधपुर में इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग शाखा के लिए हुआ है। उनकी इस उपलब्धि से पूरे जिले, राठौर समाज और परिवार में खुशी का माहौल है।

शिवम ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा बाल भारती विद्यालय, जैतहरी से प्राप्त की तथा कक्षा 12वीं की पढ़ाई डीवीएम स्कूल, अनूपपुर से पूरी की। सफलता के लिए उन्होंने एक वर्ष बिलासपुर स्थित मोशन कोचिंग संस्थान में तैयारी की, जबकि एक वर्ष स्व-अध्ययन के माध्यम से कठिन परिश्रम करते हुए यह मुकाम हासिल किया। उनकी सफलता मेहनत, अनुशासन, आत्मविश्वास और लक्ष्य के प्रति समर्पण का उत्कृष्ट उदाहरण है। शिवम, उदय सिंह राठौर एवं श्रीमती आशा राठौर के सुपुत्र हैं। उनके दादा ललन सिंह राठौर (सेवानिवृत्त शिक्षक) अखिल विश्व गायत्री परिवार के पूर्व जिला समन्वयक एवं वर्तमान में गायत्री चेतना केंद्र, अनूपपुर के व्यवस्थापक हैं। वहीं उनकी दादी श्रीमती गीता राठौर भी गायत्री परिवार की सक्रिय कार्यकर्ता हैं। परिवार ने शिवम की इस उपलब्धि का श्रेय अखिल विश्व गायत्री परिवार के संस्थापक युगऋषि पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य एवं माता भगवती देवी शर्मा के आशीर्वाद, माता-पिता के संस्कार, गुरुजनों के मार्गदर्शन और शिवम के निरंतर परिश्रम को दिया है। शिवम सिंह राठौर की यह सफलता अनूपपुर जिले के युवाओं के लिए प्रेरणा है। उन्होंने यह साबित किया है कि दृढ़ संकल्प, नियमित अध्ययन और अथक मेहनत के बल पर सीमित संसाधनों में भी राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट सफलता प्राप्त की जा सकती है। उनकी उपलब्धि से जिले का नाम देशभर में गौरवान्वित हुआ है।